सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 153 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार 8 जुलाई, 2025
मूल्य ₹ 3/-

कभी मत सोचिये कि आत्मा के लिए कुछ असंभव है। ऐसा सोचना सबसे बड़ा विधर्म है। अगर कोई पाप है, तो वो यही है, ये कहना कि तुम निर्बल हो या अन्य निर्बल हैं।

-स्वामी विवेकानंद

भारतीय अंडर-19 टीम ने जीती वनडे... 7 | दक्षिण भारत की राजनीति में भाजपा... 3 | भाजपा सरकार ने आस्था को... 2

यूपी की राजनीति में सुलगती बगावती आग

कहीं आरक्षण की चिंगारी बन न जाए संकट का शोला

» यूपी सरकार के कैबिनेट मिनिस्टर ने दागे अपनी ही सरकार पर सवाल!

» 370 और राम मंदिर का मुद्दा हल हो सकता है तो फिर मझवार आरक्षण क्यों नहीं

» ओम प्रकाश राजभर, निषाद पार्टी, अपना दल समेत सभी छोटे राजनीतिक दलों में है सरकार से नाराजगी

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जो सवाल अबतक प्रमुख विपक्षी राजनीतिक दल बीजेपी सरकारों से पूछ रहे थे। अब वही सवाल सरकार में शामिल कैबिनेट मिनिस्टर उठा रहे हैं। सवाल यूपी में योगी सरकार में शामिल चर्चित मंत्री संजय निषाद ने उठाया है।

उन्होंने कहा है कि जब बीजेपी 370 से लेकर राम मंदिर निमार्ण का मुददा हल कर सकती है तो फिर वह निषाद समुदाय को अनुसूचित जाति में आरक्षण देने से पीछे क्यों हट रही है? उन्होंने सरकार से निषाद समुदाय की लंबित मांगों को चुनाव से पहले पूरी करने की अपनी मांग को दोहराया है। दरअस्ल यह संजय निषाद का सवाल नहीं बल्कि यूपी की सियासत में बदलती राजनीतिक करवट की आहट हैं जो ओबीसी ब्लास्ट की तरफ बढ़ती यूपी की राजनीति की तस्वीर दिखाने के लिए काफी है।

खुद राजभर के दल में फूट

सपा का साथ छोड़ कर सत्ता की नाव में बैठे ओम प्रकाश राजभर के राजनीतिक दल के भी हाल ठीक नहीं है। वहां भी सत्ता और पावर को लेकर आपसी ?खिंचातान जारी है। मीटिंग, रोड शो और सभाओं के बीच हंगामे और एक दूसरे को नीचा दिखाने के लिए वीडियो की भरमार है। वहीं संगठन के नेता शीर्ष नेतृत्व पर वंशवाद का सीधा आरोप लगा रहे हैं।

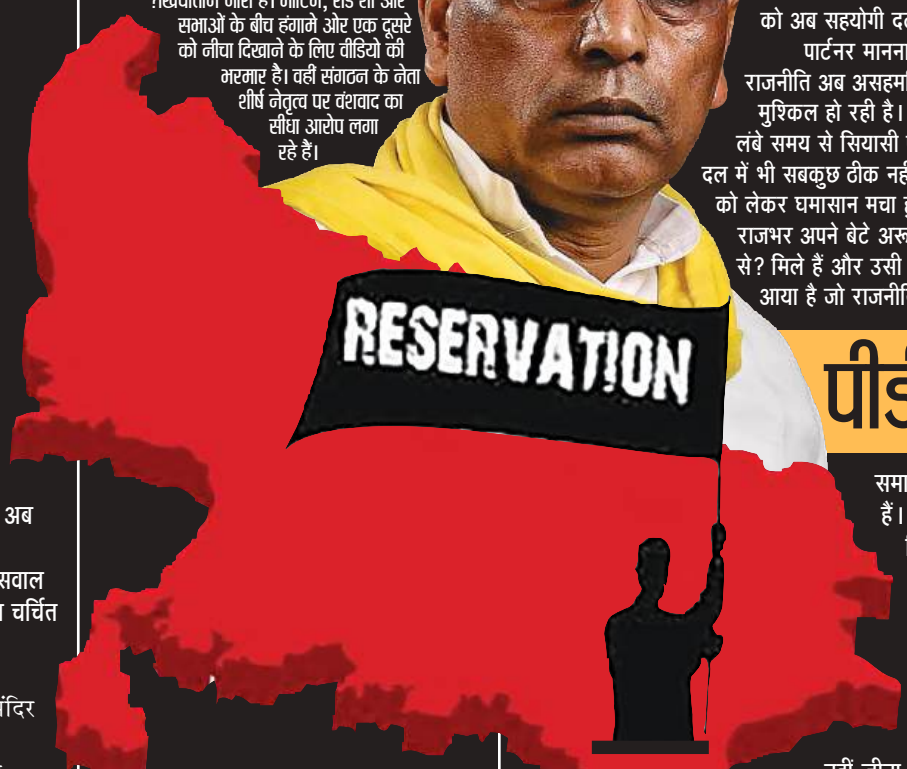

सभी छोटे दलों में बेचैनी

यूपी की राजनीति में छोटे राजनीतिक दल एक धुरी का काम कर रहे हैं। पटेल, निषाद, राजभर, पसमांदा,जाट व अन्य जातियों के राजनीतिक दलों की शक्ति ही सरकार बनवा और बिगाड़ रही है। राजनीतिक विश्लेषक ध्रुव कुमार के मुताबिक बीजेपी को अब सहयोगी दलों को सिर्फ प्रचारक नहीं बल्कि पार्टनर मानना होगा। वह कहते हैं कि ओबीसी राजनीति अब असहमति के मोड़ पर है जहाँ से वापसी मुश्किल हो रही है। उन्होंने कहा कि बीजेपी के साथ लंबे समय से सियासी पार्टनर अनुप्रिया पटले के अपना दल में भी सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। वहां भी इस मुददे को लेकर घमासान मचा हुआ है। वही कल ही ओमप्रकाश राजभर अपने बेटे अरूण राजभर के साथ सीएम योगी से? मिले हैं और उसी दिन संजय निषाद का यह बयान आया है जो राजनीतिक दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण हैं।

चुनाव नजदीक गठबंधन कमजोर

भाजपा की डबल इंजन सरकार क्या अब टूटते डिब्बों की ट्रेन बनती जा रही है। लगता कुछ ऐसा ही है। एक ओर जहां विपक्ष अखिलेश यादव, राहुल गांधी, पल्लवी पटेल जैसे नेताओं के साथ मिलकर पिछड़ा-दलित गठबंधन तैयार कर रहा है वहीं सत्ताधारी खेमे में सहयोगी दल खुद को भुलाया हुआ और उपेक्षित मान रहे हैं। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा संदेश यही है कि भाजपा को अब सिर्फ हिंदुत्व की धुन पर चुनाव जीतने की आदत को बदलना होगा। जातीय राजनीति, विशेषकर ओबीसी और दलित राजनीति, अब और जागरूक हो चुकी है। यदि बीजेपी ने आरक्षण के मुद्दे पर ठोस फैसला नहीं लिया तो 2027 में वही छोटे दल जिनके सहारे वो सत्ता तक पहुँची थी अब उसकी हार की पटकथा लिख सकते हैं।

पीडीए से डरी बीजेपी सरकार

समाजवादी पार्टी के पिछड़ा, दलित अल्पसंख्यक के राजनीतिक कॉकटेल से बीजेपी डरी हुई हैं। लोकसभा चुनाव में हार का मुह देखने के बाद पार्टी की तरफ से एक ही बात कही गयी कि पीडीए नारे को हम ठीक से टैगेल नहीं कर पाये। अब एक बार फिर यही नारा बदले हुए अंदाज में अपनी आवाज बुलंद कर रहा है। देखने वाली बात यही होगी कि नीति निर्धारक इसे किस प्रकार से हैंडल करते हैं। कही ऐसा न हो कि आरक्षण से निकली यह बगावत की चिंगारी अगर सही समय पर नहीं बुझाई गई तो यह? 2027 के चुनाव में योगी सरकार के लिए संकट का शोला बन जाए। राजनीतिक नफे-नुकसान की बात करें तो यह स्पष्ट है कि भाजपा को अब अपने सहयोगियों को भाई नहीं बराबरी के भागीदार की तरह देखना होगा वरना अगला चुनाव सिर्फ़ राम मंदिर या राष्ट्रवाद से नहीं जीता जा सकेगा। अब आरक्षण, प्रतिनिधित्व और सत्ता में हिस्सेदारी असली मुद्दा बन चुके हैं।

कम मिली है सत्ता में भागीदारी

आरक्षण अब सिर्फ एक नीतिगत विषय नहीं रह गया है यह उत्तर प्रदेश की सत्ता का सेंटर पॉइंट बनता जा रहा है। बीजेपी ने 2014 से लेकर अब तक ओबीसी वोट बैंकको संगठित किया लेकिन उसे सत्ता में हिस्सेदारी कम दी। आज वही ओबीसी वर्ग जो 52प्रतिशत से भी ज्यादा है अब सवाल कर रहा है कि हमें केवल वोट समझा जाएगा या सत्ता में भागीदारी भी मिलेगी।

मझवार आरक्षण जारी करो

योगी सरकार में मंत्री संजय निषाद के आवास के बाहर एक होर्डिंग लगाई गयी है जिसमें कहा गया है कि पिछड़ी से नाम खारिज करो मझवार आरक्षण जारी करो। यह कोई साधारण नाराजगी नहीं है बल्कि एक योजनाबद्ध संदेश है। जब कोई मंत्री अपनी ही सरकार के खिलाफ सार्वजनिक पोस्टर लगवाए तो संदेश साफ होता है कि भीतर कुछ ठीक नहीं चल रहा। निषाद समुदाय लंबे समय से अनुसूचित जाति (एससी) में शामिल होने की मांग करता रहा है। मझवार, गोंड, खरवार जैसी उपजातियाँ पहले से एससी में हैं और निषादों की मांग है कि इन्हें भी उसमें शामिल किया जाए। 2017 और 2022 दोनों विधानसभा चुनावों में बीजेपी ने इस मांग को सहमति के संकेतों के साथ टाला लेकिन कोई ठोस क़दम नहीं उठाया। अब जब निषाद पार्टी सत्ता में है तो उनके नेता संजय निषाद खुद ही सरकार की चुप्पी को निशाने पर ले रहे हैं।

भाजपा सरकार ने आस्था को व्यापार बना दिया : अखिलेश

बोले- कारिडोर के नाम पर विरासत को खत्म किया जा रहा है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख व यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने एकबार फिर भाजपा सरकार पर करारा वार किया है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार आस्था को व्यापार बना रही है। कारिडोर के नाम पर विरासत खत्म की जा रही है। गलियां खत्म की जा रही हैं। कारोबार या किसी भी प्रकार के आयोजन लोगों को आपस में जोड़ते हैं। मेले और पर्व हमें खुशियां देते हैं। लेकिन, ये लोग किसी को खुश नहीं देख सकते।

इस सरकार में सभी अवैध काम हो रहे हैं। संगी साथी सब अवैध काम कर रहे हैं। आज पार्क, तालाब, ट्रस्टों में कब्जा किया जा रहा है। उन्होंने प्रदेश में भूमि अधिग्रहण और मुआवजे को लेकर सरकार को घेरा। सपा मुखिया ने कहा कि भाजपा के लोग जहां देखों जमीन कब्जा करने पहुंच जाते हैं। अयोध्या में लोगों के घर उजाड़े गए। उन्हें ठीक से मुआवजा भी नहीं मिला। गोरखपुर में विरासत गलियारा के नाम पर लोगों के घर उजाड़े गए।

उन्होंने आगे कहा कि पूरे प्रदेश के वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बंद कर दिए गए हैं। नालों का पानी और गंदगी सीधे नदियों में डाली जा रही है। बुंदेलखंड की नदियों को इतना खोद दिया गया कि हर जिले में सड़क पर, खेत के किनारे टीले बने हुए हैं। हमने सुना है कि नोएडा के लोगों की प्रति व्यक्ति आय जापान के लोगों से ज्यादा है। ये लोग इस तरह के आंकड़े लेकर आते हैं।

सीएम को नहीं पता कि सिक्सलेन की सड़क को एक्सप्रेस-वे कहा जाता है : अखिलेश यादव ने कहा कि, समाजवादी सरकार के दौरान पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का डिजाइन, तकनीकी मानक और वित्तीय बोलियां पहले ही तय हो चुकी थीं, लेकिन सत्ता परिवर्तन के बाद इस सरकार में एक्सप्रेस-वे का मानक भी प्रभावित हुआ है। सीएम को ये तक नहीं पता कि सिक्सलेन की सड़क को एक्सप्रेस-वे कहा जाता है।

कांवड़ियों के लिए कुछ नहीं किया

सपा मुखिया ने आगे कहा कि ये सरकार आस्था के नाम पर सिर्फ वोट लेती है। 9 वर्षों में कांवड़ियों के लिए कुछ भी काम नहीं किया। सात हजार करोड़ से गोरखपुर के लिए एक्सप्रेसवे बनाया जा रहा है। लेकिन, कांवड़ियों के लिए एक हजार करोड़ से कॉरिडोर नहीं बना पाई। मुख्यमंत्री ने अपने घर के लिए तो काम किया। लेकिन, कांवड़ियों के लिए कुछ नहीं किया।

मैनेजमेंट की कमी से आम लूटने के लिए भगदड़ मची

अखिलेश यादव ने शिल्पग्राम में आयोजित किए गए तीन दिवसीय आम महोत्सव के आखिरी दिन आम लेने के लिए मची लूट पर सरकार की चुटकी ली। कहा कि यदि हादसे में किसी की मौत हो जाती, तो खबर बनती। ये सरकार किसी कार्यक्रम का आयोजन ठीक से नहीं कर पाती। मैनेजमेंट की कमी से आम लूटने के लिए भगदड़ मची।

निष्पक्ष चुनाव के लिए कड़ाई जरूरी : मायावती

» बसपा प्रमुख बोलीं- बिहार की घटनाओं का संज्ञान लेकर कार्रवाई करे चुनाव आयोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि चुनाव आयोग को बिहार में हो रहे खून-खराबे का संज्ञान लेकर कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने अपने बयान में कहा कि बिहार चुनाव को सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग के साथ-साथ बाहुबल, धनबल व अपराध बल आदि से मुक्त कराना चाहिए।

बसपा सुप्रीमो ने कहा कि इसके लिए जो भी सख्त कदम उठाने हों, वह समय से अवश्य उठाएं ताकि चुनाव अभियान स्वतंत्र व निष्पक्ष हो। वैसे तो बिहार में खासकर दलितों, अति-पिछड़ों, शोषितों, गरीबों और उनकी महिलाओं आदि के विरुद्ध जुल्म, हत्या, शोषण तथा उनके हक से वंचित रखने के मामले हमेशा चर्चा का विषय रहे हैं।

बिहार में बसपा अकेले विसभा चुनाव लड़ेगी

विधानसभा चुनाव से पहले हिंसक वारदातों व हत्याओं के जारी रहने के क्रम में भाजपा नेता एवं प्रमुख उद्योगपति गोपाल खेमका की पटना में हुई हत्या ने राज्य में कानून व्यवस्था की बदहाल स्थिति के साथ-साथ प्रदेश की राजनीति को भी गर्मा दिया है। चुनाव आयोग अभी से इसका संज्ञान लेकर कार्रवाई करे तो यह शांतिपूर्ण चुनाव संचालन के लिए बेहतर होगा। बता दें कि बसपा बिहार विधानसभा चुनाव अकेले अपने बलबूते पर लड़ रही है।

निशिकांत दुबे को देवेंद्र फडणवीस ने दी नसीहत

» बोले- लोगों के मन में भ्रम पैदा करने वाले बयान से बचें नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की विवादास्पद टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त की, जिसने पूरे राज्य में विवाद खड़ा कर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि टिप्पणी मराठी समुदाय के लिए नहीं बल्कि कुछ संगठनों के लिए थी, जिनके बारे में दुबे ने कहा कि विवाद की वजह यही है।

फडणवीस ने कहा कि निशिकांत दुबे ने जो कुछ भी कहा है, वह आम मराठी लोगों के लिए नहीं बल्कि उन संगठनों के लिए कहा है, जिन्होंने इस विवाद को हवा दी है। हालांकि, मुख्यमंत्री ने दुबे की टिप्पणी की विषय-वस्तु से खुद को अलग करते हुए कहा कि मेरा मानना है कि निशिकांत दुबे का बयान पूरी तरह से सही नहीं है। उन्होंने भारत के विकास में महाराष्ट्र के योगदान पर जोर दिया और कहा कि देश की प्रगति में महाराष्ट्र के योगदान को कोई नकार नहीं सकता या भूल नहीं सकता, और अगर कोई ऐसा करता है, तो यह पूरी तरह से गलत होगा। उन्होंने यह भी कहा कि मेरे विचार से इस तरीके का बयान देना योग्य नहीं है, क्योंकि उसका जो मतलब निकलता है वह लोगों के मन में भ्रम पैदा करता है। यह स्पष्टीकरण मनसे प्रमुख राज ठाकरे की हालिया टिप्पणी पर दुबे की कड़ी प्रतिक्रिया के बाद उठे राजनीतिक तूफान के मद्देनजर आया है। राज ने कथित तौर पर अपने पार्टी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया था कि वे ÷मारें, लेकिन वीडियो न बनाएं÷, जो मराठी में बात करने के लिए तैयार नहीं व्यक्तियों का जिक्र कर रहे थे। जवाब में दुबे ने कहा था, ÷क्या कर रहे हो, किसकी रोटी खा रहे हो? तुम लोग हमारे पैसे से जी रहे हो। तुम्हारे पास

कांग्रेस ने भवन नहीं देश की इमारतें बनाईं : जूली

» नेता प्रतिपक्ष ने भाजपा पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि यह भवन राजस्थान की आम जनता के लिए समर्पित रहेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं का इसमें सामूहिक योगदान रहेगा और यह भवन ऐतिहासिक बनेगा। उन्होंने कांग्रेस को जनहित की पार्टी बताते हुए कहा कि पार्टी ने 70 वर्षों तक देश निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया, न कि केवल अपने लिए भवन बनाने पर।

टीकाराम जूली ने भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि भाजपा सत्ता में आते ही पूरे देश में अपने कार्यालयों के निर्माण में जुट जाती है, जबकि कांग्रेस ने हमेशा राष्ट्रहित और जनसेवा को प्राथमिकता दी है। जनता अब इन दोनों दलों के बीच का अंतर भलीभांति समझ चुकी है। भवन निर्माण कार्य के शुभारंभ के मौके पर एआईसीसी के राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित अन्य कांग्रेस नेता मौजूद रहे।राजधानी जयपुर में कांग्रेस पार्टी के नए प्रदेश मुख्यालय भवन का निर्माण कार्य विधिवत पूजा-अर्चना के साथ शुरू कर दिया गया। इस मौके पर कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भवन निर्माण कार्य की शुरुआत करते हुए कहा कि यह कांग्रेस की एक लंबे समय से महसूस की जा रही ज़रूरत थी। डोटासरा ने जानकारी दी कि यह भवन दो बेसमेंट और तीन मंजिलों सहित कुल पांच मंजिला होगा, जिसमें प्रदेश कांग्रेस और उससे जुड़े सभी संगठनों के कार्यालय स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान कार्यालय भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में स्थित है, जहां ट्रैफिक की समस्या बनी रहती है। ऐसे में नया भवन कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाएगा।

डिजिटल माध्यम से चंदा, नगद नहीं लेती कांग्रेस : डोटसरा

डोटासरा ने यह भी स्पष्ट किया कि इस भवन के निर्माण में किसी भी तरह का नगद दान नहीं लिया जा रहा है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह है और सभी ने ऑनलाइन माध्यम से चंदा देने की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा कि डेढ़ से दो वर्षों में भवन निर्माण पूरा कर लिया जाएगा। डोटासरा ने बताया कि इस भवन के लिए 6000 वर्ग मीटर भूमि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व मंत्री शांति धारीवाल के प्रयासों से उपलब्ध करवाई गई थी। उन्होंने राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का भी आभार जताया, जिनकी उपस्थिति में पूर्व में भूमि पूजन हुआ था।

फूट डालो और राज करो भाजपा की नीति : उद्धव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» निशिकांत दुबे के बयान पर बिफरे

मुंबई। महाराष्ट्र में चल रहे भाषा विवाद के बीच शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे ने भाजपा सांसद की पटक पटक के मारेंगे टिप्पणी पर निशिकांत दुबे पर लकड़बग्घा का तंज कसते हुए पलटवार किया।

उद्धव ने दुबे पर लोगों को बांटकर सद्भाव बिगाड़ने का प्रयास करने का आरोप लगाया और भाजपा पर फूट डालो और राज करो की नीति के जरिए राजनीतिक लाभ हासिल करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। शिवसेना नेता की यह टिप्पणी निशिकांत दुबे द्वारा ठाकरे भाइयों पर हमला करने के बाद आई है। दुबे ने राज ठाकरे को महाराष्ट्र से बाहर आने की चुनौती देते हुए कहा था कि, तुमको पटक पटक के मारेंगे। उद्धव ने कहा कि भाजपा की नीति हमेशा से फूट डालो और राज करो की रही है। राजनीति की यह शैली अब अपनी प्रासंगिकता खो रही है। मैं समझ सकता हूं कि शनिवार को मुंबई में हमारी रैली की सफलता से उनकी पार्टी बेचैन है। दुबे की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए उद्धव ने कहा, ऐसे लकड़बग्घे% राज्य में शांति और सद्भाव को बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

दक्षिण भारत की राजनीति में भाजपा पर प्रहार

केरल में विजयन, आंध्र में जगन ने खोला मोर्चा

- सभी विपक्ष दलों ने कसी कमर
- स्टालिन ने हिंदी पर लड़ी सियासी लड़ाई
- वाईएसआरसीपी समर्थक की मौत के पीछे साजिश का आरोप
- छात्रों, बेरोजगार युवाओं की मदद न मिलने पर मुखर हुए पूर्व सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दक्षिण भारत की राजनीति में भाजपा अपने सहयोगियों के मदद से एनडीए की बढ़त बनाने की जुगत में लग गई है। उसका परिणाम उसे लोक सभा चुनाव में मिला जहां उसकी वोटिंग प्रतिशत में बढ़ोत्तरी हो गई। उसकी इस बढ़त से दक्षिण भारत के सियासी दलों में कोहराम मच गया है। इसी के चलते लगभग सभी सियासी पार्टियों ने भाजपा व राजग को घेरने की शुरूआत कर दी है। जहां आंध्र में जगन नायडू को कानून व्यवस्था के नाम पर हमलावर हैं। वहीं चेन्नई में स्टालिन हिंदी को लेकर मुखर हैं। इनसबके बीच केरल में भी विजयन केंद्र सरकार पर साथ न देने का अरोप लगा रहैं हैं। जबकि कनार्टक में कांग्रेस भाजपा पर उसकी सरकार को अस्थिर करने का आरोप लगाकर उसे लपेट रही है।

वहीं मैरी ने रेड्डी के आवास के बाहर पत्रकारों से कहा, हमें सिंगय्या को घायल होने के बाद एंबुलेंस में अस्पताल ले जाने को लेकर संदेह है। हो सकता है कि एंबुलेंस में कुछ किया गया हो।वाईएसआरसीपी के प्रमुख वाई एस जगनमोहन रेड्डी के काफिले में शामिल एक वाहन से कथित तौर पर कुचलकर जान गंवाने वाले पार्टी के एक समर्थक के परिवार ने मौत को लेकर साजिश होने का बुधवार को संदेह जताया। मृतक सी. सिंगय्या की पत्नी लोरडु मैरी ने परिवार के सदस्यों के साथ आज तडेपल्ली में रेड्डी के आवास पर उनसे मुलाकात की। घटना 18 जून को हुई थी जब रेड्डी पार्टी के एक नेता के परिवार के सदस्यों से मिलने के लिए पलनाडु जिले के रेतापल्ला गांव जा रहे थे। इस दौरान गुंटूर जिले में एतुकुरु चौराहे पर सिंगय्या वाहन के पहियों के नीचे आ गए और उनकी मौत हो गई। इसके बाद, मौत को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री रेड्डी और अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। हालांकि, शुरू में पुलिस ने कहा था कि सिंगय्या को रेड्डी के काफिले के किसी वाहन ने टक्कर नहीं मारी थी, लेकिन बाद में अतिरिक्त साक्ष्यों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि वास्तव में रेड्डी के वाहन ने सिंगय्या को कुचला था मैरी ने बताया कि उन्हें फोन पर दुर्घटना के बारे में पता चला। उन्होंने कहा, एंबुलेंस में वह ठीक से बोल रहे थे। उन्हें छाती के दाहिनी ओर मामूली चोट लगी थी। जब उन्हें कहीं और चोट नहीं लगी तो उनकी मौत कैसे हो गई? एक जगह चोट लगने से तो उनकी मौत नहीं हुई होगी, हमें संदेह है कि एंबुलेंस में कुछ हुआ था। वाईएसआरसीपी के प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार पर युवाओं और छात्रों को धोखा देने का आरोप लगाया है।रेड्डी ने बेरोजगारी भत्ते के वादे को कथित रूप से पूरा नहीं करने के खिलाफ सोमवार को अपनी पार्टी के नेतृत्व में आयोजित राज्यव्यापी युवा पोरु (युवा संघर्ष) प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने मंगलवार को कहा कि सरकार नौकरी और शिक्षा सहायता जैसे अपने वादों को पूरा करने में विफल रही है।पूर्व मुख्यमंत्री ने पलनाडु जिले के नरसारावपेटा शहर में प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए की गई पुलिस कार्रवाई का जिक्र करते हुए एक्स पर एक पोस्ट में कहा, नरसारावपेट में छात्रों पर लाठीचार्ज ने सरकार के हिंसक, असहिष्णु रवैये को उजागर किया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान तेदेपा द्वारा किए गए वादे के अनुसार 3,000 रुपये मासिक बेरोजगारी भत्ते के कार्यान्वयन के लिए केवल ज्ञापन प्रस्तुत करने और इस बारे में पूछने पर छात्रों पर कथित रूप से हमला क्यों किया गया। रेड्डी ने कहा कि राज्य के 1.25 करोड़ बेरोजगार युवाओं में से कितनों को भत्ता मिला। वाईएसआरसीपी प्रमुख ने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती वाईएसआरसीपी सरकार की योजनाओं, जगन्ना विद्या दीवेना और वासथी दीवेना के तहत 6,400 करोड़ रुपये का बकाया अभी तक नहीं चुकाया गया है, जिसकी वजह से छात्रों को पढ़ाई छोड़कर नौकरी की तलाश करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

आंध्र प्रदेश में लगे राष्ट्रपति शासन : जगन मोहन

युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने आंध्र प्रदेश में तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त होने का आरोप लगाते हुए राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग की।पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि वाईएसआरसीपी नेताओं और कार्यकर्ताओं को झूठे मामलों, ''अवैध'' गिरफ्तारियों और ''राजनीतिक उत्पीड़न के संगठित अभियान'' के माध्यम से निशाना बनाया जा रहा है।रेड्डी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर सवाल किया, ''जब राजनीतिक नेताओं और नागरिकों की सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं है, कानून- व्यवस्था बिगड़ रही है और संविधान का उल्लंघन हो रहा है, तो राष्ट्रपति शासन क्यों नहीं लगाया जाना चाहिए?उन्होंने कहा कि गुंटूर जिले के मन्नवा गांव के दलित ग्राम पंचायत अध्यक्ष नागमल्लेश्वर राव पर हाल ही में दिनदहाड़े हुआ हमला राज्य में ''अराजकता'' को दर्शाता है और उस घटना के वीडियो से स्थिति की गंभीरता पता चलती है।जगन ने यह भी आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ तेदेपा की बात न मानने पर वाईएसआरसीपी कार्यकर्ताओं पर हमला किया जा रहा है। उन्होंने सवाल किया कि क्या चंद्रबाबू नायडू सरकार के नेतृत्व में लोग वास्तव में सुरक्षित हैं? इस बीच, वाईएसआरसीपी एससी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष टीजेआर सुधाकर बाबू ने नायडू पर दलितों का अपमान करने का आरोप लगाया।

केंद्र का केरल को समर्थन नहीं : मुख्यमंत्री

दलगत राजनीति से ऊपर उठकर एकजुट विरोध किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा, केंद्र सरकार की केरल विरोधी नीति को दुरुस्त करने के लिए लोगों का विरोध जरूरी है। इसके लिए हमें एकजुट होना होगा।केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार का केरल के प्रति नकारात्मक रुख जारी है और उसने ओणम त्योहार के लिए अतिरिक्त चावल आवंटन की राज्य की मांग को खारिज कर दिया है।मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच फेसबुक पर एक 'पोस्ट' साझा कर सभी राजनीतिक दलों से एकजुट होकर केंद्र सरकार के कथित केरल विरोधी रुख का विरोध करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि केरल की मांग है कि गैर-प्राथमिकता वाले परिवारों को प्रति कार्ड पांच किलोग्राम चावल 8.30 रुपये की दर से उपलब्ध कराया जाए, जो वर्तमान में राज्य को अतिरिक्त आवंटन के रूप में उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने यह भी मांग की है कि गेहूं का आवंटन बहाल किया जाए, जो दो साल पहले तक अतिरिक्त आवंटन के रूप में दिया जा रहा था। मुख्यमंत्री ने कहा कि ओणम जैसे विशेष अवसरों के दौरान बाजार में चावल की कीमत को बढ़ने से रोकने के लिए गैर-प्राथमिकता वाले वर्गों को यथासंभव खाद्यान्न की उपलब्धता सुनिश्चित करना आवश्यक है। विजयन ने कहा, इसी संदर्भ में राज्य ने गैर-प्राथमिकता वाले वर्गों को अतिरिक्त चावल आवंटन की मांग की है। उन्होंने कहा, गैर प्राथमिकता वाले वर्गों को गेहूं का आवंटन बहाल करने की मांग उठाई गई लेकिन केंद्र सरकार इन मांगों को खारिज कर रही है। ये मांग आम लोगों की मदद के लिए हैं। ठकर एकजुट विरोध किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा, केंद्र सरकार की केरल विरोधी नीति को दुरुस्त करने के लिए लोगों का विरोध जरूरी है। इसके लिए हमें एकजुट होना होगा।

प्रयास विफल हो सकते हैं, प्रार्थनाएं नहीं, कांग्रेस कार्यकर्ता मिलकर काम करें : शिवकुमार

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की सलाह और संदेश का पालन करते हुए पार्टी में सभी से मिलकर काम करने का आह्वान किया, हालांकि उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री पद की दौड़ में शामिल होने के सवाल पर टिप्पणी से इनकार कर दिया।शिवकुमार ने यहां चामुंडी पहाड़ियों की चोटी पर देवी चामुंडेश्वरी की पूजा करने के बाद कहा, प्रयास विफल हो सकते हैं, लेकिन प्रार्थना नहीं। पिछले कुछ समय से सियासी गलियारों, खासकर सत्तारूढ़ कांग्रेस में इस वर्ष के अंत में मुख्यमंत्री के संभावित बदलाव को लेकर अटकलें लगाई जा रही हअटकलों में सिद्धरमैया और शिवकुमार के बीच सत्ता-साझाकरण समझौते का हवाला दिया गया है। सिद्धरमैया के पूरे पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा करने वाले बयान पर शिवकुमार से पूछा गया कि क्या वे मुख्यमंत्री की दौड़ से बाहर हो गए हैं?इस पर उन्होंने कहा, मैं इस पर कोई चर्चा करना नहीं चाहता। मैं यहां राजनीति के बारे में बात करने नहीं आया हूं। मैं राज्य का भला चाहता हूं। मल्लिकार्जुन खरगे कांग्रेस अध्यक्ष हैं, उन्होंने हमें संदेश और सलाह दी है। उनके शब्दों का पालन करते हुए, आइए हम सब मिलकर काम करें। शवकुमार ने यहां पत्रकारों से कहा कि उन्होंने अपने परिवार के साथ राज्य, अपने, अपने परिवार और सभी के कल्याण के लिए देवी चामुंडेश्वरी की पूजा की है। यह पूछे जाने पर कि क्या देवी से की गयी उनकी प्रार्थनाओं के बदले में आशीर्वाद मिलने का समय आ गया है, शिवकुमार ने कहा, प्रयास विफल हो सकते हैं, लेकिन प्रार्थना नहीं, मैं इस पर विश्वास करता हूं। मैंने देवी से प्रार्थना की है और जो कुछ भी मैं चाहता हूं, उसके लिए कामना की है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

भारतीय बाघों का संरक्षण होना बहुत जरूरी

“ सरकारों को अब कुछ ऐसा करना होगा ताकि पर्यावरण संतुलन को बचाने के लिए बाघों व चीतों को नहीं अन्य जन्तुओं को भी सहेजने की जरूरत हैं। पर्यावरण मंत्रालय मंत्रालय के मुताबिक 25 दिसंबर, 2023 तक, देश में 177 बाघों की मौत हुई है, न कि 202 की, जैसा कि गलत रिपोर्ट किया गया है। यह मुख्य रूप से उन राज्यों में है जहां बाघों की संख्या काफी अधिक है और उनके आवास उनकी वहन क्षमता पर काम कर रहे हैं।

बिता कुछ साल भारतीय बाघों के लिए दुख भरा रहे हैं। पिछले दो वर्ष में सैकड़ों की संख्या में बाघ काल के गाल में समा गये। मौसमी आपदा में कई जंगली व पहाड़ी जानवर मौत के मुंह में चले गए। ऐसे में इनकों संरक्षित करने लिए कोई न कोई उपाय लगाना होगा । सन 22 ही में पीएम मोदी ने मप्र के कूनो में विदेशों से चीते मंगवा कर रखवाए थे पर वह भी भारतीय पारिस्थिकत तंत्र में अपने को समायोजित नहीं कर पाए और आपनी जान दे बैठे। सरकारों को अब कुछ ऐसा करना होगा ताकि पर्यावरण संतुलन को बचाने के लिए बाघों व चीतों को नहीं अन्य जन्तुओं को भी सहेजने की जरूरत हैं। पर्यावरण मंत्रालय मंत्रालय के मुताबिक 25 दिसंबर, 2023 तक, देश में 177 बाघों की मौत हुई है, न कि 202 की, जैसा कि गलत रिपोर्ट किया गया है। यह मुख्य रूप से उन राज्यों में है जहां बाघों की संख्या काफी अधिक है और उनके आवास उनकी वहन क्षमता पर काम कर रहे हैं। 2023 में भारत में कम से कम 177 बाघों की मौत हुई है, जिनमें से सबसे अधिक 45 बाघों की मौत महाराष्ट्र में दर्ज की गई है।

अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी है। पर्यावरण मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, 2023 में बाघों की 40 प्रतिशत मौतें शावकों और उप-वयस्कों से हुई हैं। पर्यावरण मंत्रालय ने कुछ मीडिया रिपोर्टों में 2023 में 202 बाघों की मौत की उच्च संख्या का उल्लेख करने के बाद डेटा जारी किया। महाराष्ट्र में सबसे अधिक 45 मौतें दर्ज की गई हैं, इसके बाद मध्य प्रदेश में 40, उत्तराखंड में 20, तमिलनाडु में 15 और केरल में 14 मौतें हुई हैं। इसके अलावा, इनमें से 54 प्रतिशत मौतें बाघ अभयारण्य के बाहर हुई हैं। भारत अब दुनिया के 70 प्रतिशत से अधिक जंगली बाघों का घर है। देश में न्यूनतम 3167 बाघ हैं। भारत में जंगली बाघ प्रति वर्ष 6 प्रतिशत की स्वस्थ दर से बढ़ रहे हैं, जो विभिन्न प्राकृतिक कारणों से बाघों की हानि को संतुलित करता है और निवास स्थान की वहन क्षमता के अनुसार बाघों की आबादी को बनाए रखता है। काउंटी में बाघ अभयारण्यों की कुल संख्या 54 है, जिसका क्षेत्रफल 78,000 वर्ग किमी से अधिक है और यह भारत के भौगोलिक क्षेत्र के 2.30 प्रतिशत से अधिक को कवर करता है। इस वर्ष एक नया बाघ अभयारण्य रानी दुर्गावती शुरू किया गया। राज्य सरकारों को अपने राज्यों में आने वाले वन क्षेत्रों कुछ विशेष कार्य करने पड़ेगें। चूकि चर्चा ऐसी है जंगली जानवरों के पर्यावास पर मानवीय अतिक्रमण की वजह से भी इन जानवरों के ऊपर खतरा बढ़ गया है। जगलों की अंधाधुध कटाई व इस जन्तुओं के निवास क्षेत्रों के नष्ट होने से ये बाघ, चीतें जगलों से इधर उधर भटकने को मजबूर हो गए है। इन्हीं भटकाव के चलते ये कभी-कभी दुर्घटना केशिकार हो जातें है मौत के मुंह में समा जाते हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

लेन-देन की कूटनीति के दौर में भारत का इम्तिहान

ज्योति मल्होत्रा

एक चीनी कहावत है ‘काश! हम मजेदार समय में जी सकें’। तेजी से आगे बढ़ती दुनिया में, बीता सप्ताह हमारे आसपास की दुनिया के कुछ रोचक पहलू सामने लाया। मामला कुछ भी हो, हालात का जायजा लेने में सप्ताहांत हमेशा अच्छा समय होता है। जब कभी चीन और पाकिस्तान के नेता मिलते हैं,तो अपने रिश्तों को लेकर, मंत्र सरीखे जिस वाक्यांश का आह्वान करते हैं ‘दोनों मुल्कों का जुड़ाव पहाड़ों से ऊंचा, समुद्र से गहरा और शहद से मीठा है’ – वह तेजी से एक ऐसी हकीकत बनता जा रहा है, जो भारत के सामने मुंह बाए खड़ी है, चाहे हम जिस ओर भी मुंह घुमाएं। भारतीय सेना के उप-सेनाध्यक्ष, जनरल राजीव सिंह द्वारा चीन को लेकर की गई यह वाकपटु टिप्पणी कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उसका तरीका ‘उधार के चाकू से काम चलाने’ वाला रहा,जब उसने भारत को चोट पहुंचाने के लिए हर कदम पर पाकिस्तान की मदद की – यह इस बात की पुष्टि है, अगर पुष्टि करना जरूरी है, कि चीन ही भारत का सबसे बड़ा दुश्मन है।

दो अन्य कारक भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। पहला, कि चीन का मुख्य प्रतिद्वंद्वी, यानि अमेरिका, वह भी पाकिस्तानियों के प्रति ज्यादा गर्मजोशी दिखा रहा है। दूसरा, अब जबकि दलाई लामा ने गत सप्ताहांत में उम्र के 90 साल पूरे कर लिए हैं, और अपने पुनर्जन्म को लेकर अटकलों को खुद ही यह कहकर विराम लगा दिया है कि उनका अगला जन्म चीन से बाहर होगा, एक आज़ाद और लोकतांत्रिक देश में, मसलन भारत-हालांकि, अभी साफ नहीं कि इस बदलती स्थिति पर केंद्र सरकार का नजरिया क्या रहेगा। अब लग रहा है कि इस सप्ताह क्वाड समूह के विदेश मंत्रियों की वाशिंगटन में होने जा रही बैठक से ऐन पहले जारी व्यक्तव्य में, पहलगाम आतंकी हमले में पाकिस्तान का नाम बतौर प्रायोजक लेने से परहेज रखा गया ,हालांकि ‘सीमा पारीय आतंकवाद’ की निंदा की गई है, एक सहमतिपूर्ण जुमला, जो संकेत देता है इससे परे जाकर कुछ नहीं कहा जाएगा- वहीं इसी वक्त पाक वायुसेनाध्यक्ष ज़हीर अहमद बाबर सिद्धू भी अमेरिकी राजधानी में मेजबानी का लुत्फ ले रहे हैं।

सिद्धू की यात्रा पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष फील्ड मार्शल असीम मुनीर के अमेरिका दौरे का अगला सिलसिला है, जब उन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ असाधारण मुलाकात का मौका देकर नवाज़ा गया था। इसी बीच, भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता वार्ता अपनी परिणति की ओर

है और भारतीय दल घर वापसी कर चुका है। अगर भारत अपना कृषि क्षेत्र खोले बिना अपना काम निकाल पाया, तो यह बड़ी जीत होगी। अमेरिका इसे पाकिस्तान के साथ संबंध बढ़ाने के बदले में एक कदम के रूप में भी देख सकता है। लेकिन यहीं आकर इन दिनों चीजें बिगड़ने लगती हैं। अमेरिका को मालूम है कि मोदी सरकार के लिए पाकिस्तान का नाम घृणास्पद है, लेकिन फिर भी वह पाकिस्तान के सैन्य नेतृत्व से मिलना जारी रखे है। अमेरिकी शासन के कुछ हिस्से खफा हैं कि भारत रूस से तेल खरीदना जारी रखे है। इसी बीच, रूस विश्व का पहला देश बन गया जिसने तालिबान सरकार को मान्यता दी है, मकसद है एशिया के भीतरी हिस्से में प्रभाव बढ़ाना। वह तालिबान जो पाकिस्तान का पड़ोसी है और अब दोस्त से दुश्मन बन चुका है। क्वाड वक्तव्य में कम-से-कम पहलगाम का जिक्र तो आया, भले पाकिस्तान का नाम सीधे न लिया हो। जबकि,पिछले हफ्ते, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चीन-नीत शंघाई सहयोग संगठन द्वारा जारी संयुक्त वक्तव्य पर दस्तखत करने से मना कर दिया था, क्योंकि इसमें न तो इस जघन्य कांड के पीछे रहे मुल्क का जिक्र था, न जगह का। बड़ा सवाल, बल्कि कई सारे सवाल यह हैं कि हिंद-प्रशांत महासागरीय क्षेत्र को लेकर बनाए ताकतवर समूह क्वाड में, जिसमें भारत मुख्य सहयोगी है, वह भी भारत द्वारा कही बातों का पूरा समर्थन क्यों नहीं करता। ये मुल्क, जानते हुए भी कि उनके एक सहयोगी क्वाड मुल्क को पाक-प्रायोजित आतंकी हमले से आघात लगा है, पाकिस्तान का सीधा नाम लेने से क्यों कतरा रहे? इतना ही नहीं, भारत इस नज़रिए को बदलने के लिए क्या कर सकता है? साफ है, मनगढ़ंत कहानियों पर काबू पाने के इरादे से मोदी सरकार ने पाकिस्तानी हॉकी टीम को भारत में होने जा रही दो प्रतियोगिताओं में खेलने की इजाजत दी। यानि एशिया कप और जूनियर वर्ल्ड हॉकी कप (पुरुष) में पाक हॉकी टीम खेलेगी, भले इसका कारण बताया जा रहा कि ये प्रतियोगिताएं द्विपक्षीय मैच न होकर अंतर्राष्ट्रीय श्रेणी में आती हैं। ज्यादा रोचक रहा पंजाब भाजपा इकाई को दिलजीत दोसांझ के बचाव में खड़े होते देखना कि किसलिए इस देशभक्त अभिनेता की ट्रोलिंग की जाए – और उसकी फिल्म पर लगा प्रतिबंध हटाया जाए – केवल इसलिए कि उसमें पाकिस्तानी अभिनेत्री ने काम किया है।

अंतरिक्ष में अनुसंधान से मानवता हेतु नई उम्मीदें

इस अंतरिक्ष अभियान का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसके दौरान होने वाले परीक्षणों से मानवता के लिए महामारी बन रही बीमारियों के उपचार के लिए रास्ता खुलने की उम्मीद है। ये बीमारियां हैं मधुमेह और कैंसर। यदि सफलता मिलती है तो यह मानवता पर उपकार होगा।

सुरेश सेठ

सुखद है कि 41 वर्ष के बाद किसी भारतीय अंतरिक्ष यात्री ने न केवल अपने साथियों के साथ अंतरिक्ष में कदम रखा बल्कि डॉकिंग की नई उपलब्धि के साथ उसने वहां स्थित अंतरिक्ष स्टेशन में भी प्रवेश कर लिया। वे पहले भारतीय थे जिन्होंने न केवल 14 दिन के लिये इस स्टेशन में कदम रख लिया बल्कि दुनिया को भारत की ओर से वसुधैव कुटुम्बकम? का एक संदेश भी मिला। शुभांशु 140 करोड़ भारतीयों की उम्मीद ही नहीं, जैसा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, बल्कि वे एक नई दुनिया और एक नया भारत बनाने के लिए कुछ विशेष शोध अभियान पर भी हैं। बेशक यह सपना निजी निवेशकों की भागीदारी के साथ देखा जा रहा है और उत्सुक साहसी पर्यटक इस सपने के पूरा होने की उम्मीद कर रहे हैं। अब सोचा जा रहा है कि वैज्ञानिक उपलब्धियों के इस निर्देश के साथ पर्यटन का एक नया क्षेत्र अंतरिक्ष में भी खोल दिया जाए।

यह वैश्विक कमाई का एक बड़ा साधन बनेगा और क्योंकि भारत उपग्रहों के प्रक्षेपण में तो सफलता हासिल कर ही चुका है और तीसरी दुनिया के छोटे देशों के लिए संचार उपग्रह प्रक्षेपण कर रहा है। इसलिए अब वह अंतरिक्ष पर्यटन का मार्ग निर्देशक बन सकेगा। इस प्रकार अपने लिए कमाई का एक और उपयोगी मैदान खोल लेगा जहां निवेशकों को इस साहसिक अभियान को शुरू करने की हिम्मत के कारण अधिक प्रतिदान मिल सकेगा। लेकिन इससे भी अधिक इस अंतरिक्ष स्टेशन में हमारे यात्रियों के प्रवेश के बाद जिन उपलब्धियों की उम्मीद की जा रही है उसमें से मानवता के लिए महामारी बन रही बीमारियों के उपचार के लिए रास्ता खुलने की उम्मीद है। ये बीमारियां हैं मधुमेह और कैंसर। इस शोध का एक लक्ष्य पृथ्वी पर मधुमेह के नियंत्रण में मदद करना है। दूसरी तेजी से फैलती बीमारी है कैंसर। अभी इस कैंसर का उपचार बहुत खर्चीला है।

यह शुभ सूचना है कि शुभांशु शुक्ला और उनके साथी शन पर रवाना होने के बाद 14 दिनों तक इन बीमारियों के चिकित्सा प्रयोगों का हिस्सा बनेंगे। अंतरिक्ष यात्रियों में से एक अंतरिक्ष में अपने पूरे प्रवास के दौरान निरंतर ग्लूकोज मीटर पहने रहेगा और वास्तविक समय के रक्त शर्करा माप की निगरानी पृथ्वी पर अनुसंधान करके की जाएगी। उड़ान के दौरान इसके नमूने इकट्ठे होंगे और सही उपचार के परीक्षण किए जाएंगे। जो सफल होगा, उसी से अब अंतरिक्ष के सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव से रोगों का इलाज होगा। अंतरिक्ष उड़ानों से जोड़ों और रक्त प्रवाह पर पड़ने वाले प्रभावों की जांच होगी।

आसान शब्दों में कहें तो इसका अर्थ यह कि आर्थराइटिस या जोड़ों की बीमारियों का क्या कोई हल अंतरिक्ष का यह शोध हमें दे सकता है? कैंसर का अध्ययन भी यहां विशेष रूप से किया जा सकता है। समझा जाता है कि कैंसर की कोशिकाएं सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण में आसानी से पुनर्जीवित हो सकती हैं। अगर ऐसा है तो ये स्टैम कोशिकाएं और इनका पुनर्जीवन आदमी की उम्र बढ़ाने को कैसे प्रभावित कर सकता है, इसका अध्ययन भी होगा। यह अध्ययन स्टैनफोर्ड स्टैम सैल इस्टीट्यूट और जेएम फाउंडेशन की मदद से किए जाएंगे। निस्संदेह, अगर इस अभियान में इस प्रकार कैंसर निदान की कोई बेहतर दवा या उपचार विकसित करने में सफलता मिल जाती है तो यह मानवता के लिये अच्छी खबर होगी। फिर 14 दिन तक हमारे ये सभी यात्री कम्प्यूटर स्क्रीन का ही निरंतर प्रयोग करेंगे। इससे यह भी पता चल जाएगा कि इसका शारीरिक और हमारी संज्ञा पर क्या प्रभाव पड़ता है। आमतौर पर कहा जाता है कि कम्प्यूटर के निरंतर इस्तेमाल से तेजी से आंखों की हरकतें प्रभावित होती है। इसलिए इस शोध को मानव जीवन के लिए बहुत उपयोगी माना जा रहा है।

अब नहीं कहते कि इन सभी समस्याओं का पूरा-पूरा हल हम इसी यात्रा या शोध अभियान में ले आएंगे लेकिन एक सही शुरुआत तो हो गई। प्राय: किसी वैज्ञानिक शोध में कदम दर कदम सफलता हासिल की जाती है। इस बार क्योंकि इस शोध अभियान का एक भाग मानवीय चिकित्सा और हमारी दुरूह बीमारयों के इलाज के साथ जुड़ा हुआ है, इसलिए इस अभियान का महत्व और भी बढ़ जाता है। खासकर, हमारे देश के लिये जिसके बारे में कहा जाता है कि असह्य गरीबी और उचित पोषण के अभाव में यहां बीमारियों से लड़ने की शक्ति कम है। इसलिए अंतरिक्ष स्टेशन पर होने वाले इन प्रयोगों से हमें उन बीमारियों के समाधान में मदद मिल जाएगी। इसका मानव जीवन पर कितना उपकार होगा, यह तो स्पष्ट ही है। यह अभियान कई देश मिलकर चला रहे हैं। नासा के अभियान के साथ-साथ हमारा इसरो भी इस नेक अभियान में पूरा योगदान ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के जरिये दे रहा है। इसके बारे में अगर भारतीय गर्वित महसूस कर रहे हैं तो यह तार्किक है।

डिप्रेशन में घर पर करें ये काम

आज के समय में लोगों की जिंदगी एक मशीन की तरह हो गई है, जो हर समय काम में लगी रहती है। कभी सोचा है यह व्यस्तता हमें कहां ले जा रही है? डिप्रेशन यानी अवसाद की ओर। अवसाद या डिप्रेशन मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ा एक गंभीर रोग है। साथ ही इससे पीड़ितों की संख्या में काफी तेजी से वृद्धि देखने को मिल रही है, भारत में ३ में से एक व्यक्ति डिप्रेशन से ग्रसित है। जिसकी वजह से इसका असर उसकी सेहत पर देखने को मिल रहा है। डिप्रेशन के कारण इंसान की सोचने और समझने की क्षमता प्रभावित होती है। वर्तमान समय में डिप्रेशन के कारण लोगों के आत्महत्या के मामले चौकाने वाले हैं। इन दिनों बच्चों से लेकर बड़ों तक, सभी में यह समस्या देखने को मिल रही है। अगर समय रहते इसका उपचार न लिया जाए, तो यह व्यक्ति की मानसिक स्थिति और निर्णय लेने की क्षमता को कम कर, व्यक्ति को आत्महत्या की ओर भी ले जा सकती है।

क्यों होता है डिप्रेशन

लेकिन क्या आपने कभी यह सोचा है कि क्यों होता है डिप्रेशन? या इसके क्या कारण हैं? अक्सर लोग अपने जीवन में छोटी मोटी कठिनाइयों का सामना करते हैं, जिनसे उन्हें निराशा होती है और वे दुखी महसूस करते हैं। अवसाद रोग का कोई एक ज्ञात कारण नहीं है। फिर भी अवसाद के कारणों में आनुवंशिकता, बायोकेमिकल, वातावरण और मनोवैज्ञानिक संबंधी मिश्रित घटकों का समावेश होता है। अनेक शोधों के अनुसार अवसाद से संबंधित बीमारियाँ मस्तिष्क के विकार हैं।

म्यूजिक सुनें

म्यूजिक कई मायनों में सेहत के लिए फायदेमंद होता है खासकर मानसिक स्वास्थ्य के लिए गाने सुनना फायदेमंद माना जाता है। जब भी व्यक्ति मानसिक रूप से परेशान हों तो उसे अपना पसंदीदा गाना सुनना चाहिए। संगीत में मूड बदलने, मन को अवसाद से निकालने की अदभुत शक्ति होती है। अगर आप स्ट्रेस या डिप्रेशन से गुजर रहे हैं तो दवा खाने या महंगे इलाज की जगह एक बार आप म्यूजिक थैरेपी ट्राय करें, हालांकि डॉक्टर इसका बेहतर इलाज बता सकते हैं और ट्रीटमेंट के साथ-साथ आप म्यूजिक को भी अपने रूटीन में शामिल कर सकते हैं।

व्यायाम करें

हर किसी को अपनी सेहत का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है। इसके लिए अच्छा खानपान और व्यायाम जरूरी है। व्यायाम डिप्रेशन को दूर करने का सबसे अच्छा तरीक़ा है। जब हम व्यायाम करते हैं तब सेरोटोनिन और टेस्टोस्टेरोन जैसे हार्मोन्स रिलीज़ होते हैं, जो दिमाग को स्थिर करते हैं। डिप्रेशन को बढ़ाने वाले विचार आने कम होते हैं। डिप्रेशन में पश्चिमासन करने से काफी लाभ मिलता है। इसे करने के लिए दंडासन से शुरुआत करें। सुनिश्चित करें कि घुटने थोड़े मुड़े हुए हों और पैर आगे की ओर फैले हों। बाहों को ऊपर की ओर फैलाएं और रीढ़ को सीधा रखें। सांस छोड़ें, जिससे पेट की हवा खाली हो जाए। सांस छोड़ते हुए, कूल्हे पर आगे की ओर झुकें और ऊपरी शरीर को निचले शरीर पर रखें। बाहों को नीचे करें और अपने बड़े पैर की उंगलियों को पकड़ें। घुटनों को नाक से छूने की कोशिश करें।

अच्छी नींद लें

अगर आपको डिप्रेशन है तो अनिद्रा की समस्या भी हो सकती है। अनिद्रा की समस्या का असर आपकी सेहत पर पड़ता है जिसके कारण वजन बढ़ना, आंखें कमजोर होना, थकान होना, काम में मन न लगने जैसी समस्याएं हो सकती हैं इसलिए डिप्रेशन के दौरान अनिद्रा की समस्या से बचना जरूरी है। एक अच्छी और पूरी रात की नींद हमें सकारात्मक ऊर्जा से भर देती है। जो लोग रोज़ाना 7 से 8 घंटे की नींद नहीं लेते हैं तो उन लोगों में डिप्रेशन का खतरा अधिक होता है। इसलिए व्यस्तता के बावजूद अपनी नींद से समझौता न करें। क्योंकि एक अच्छी नींद एक अच्छे स्वास्थ्य के लिए काफी जरूरी होता है।

हंसना मना है

टीचर- एक औरत एक घंटे मे 50 रोटी बना लेती है, तो तीन औरतें एक घंटे में कितनी रोटी बनाएंगी....बच्चा- एक भी नही, क्योंकि तीनों मिलकर सिर्फ चुगली करेंगी...! बच्चे की बात सुनकर टीचर अभी तक बेहोश है...

पप्पू जलेबी बेच रहा था, लेकिन कह रहा था, आलू ले लो आलू ले लो... राहगीर- लेकिन ये तो जलेबी हैं, पप्पू- चुप हो जा! वरना मक्खियां आ जाएंगी।

वकील - हत्या की रात तुम्हारे पति के अंतिम शब्द? पत्नी - मेरा चश्मा कहां है संगीता...? वकील - तो इसमें मारने वाली क्या बात थी...? पत्नी - मेरा नाम रंजना है! पूरा कोर्ट खामोश...

एक सज्जन बता रहे थे कि वो पिछले 20 सालों से गीता के उपदेश सुनते आ रहे हैं...! पता करने पर पता चला कि गीता उनकी धर्मपत्नी का नाम है...!!!

टीचर- लड़कियां अगर पराया धन, होती है तो लड़के क्या होते है? गप्पू- सर चोर होते है! टीचर ङ्क वो कैसे? गप्पू- क्योकि चोरों की नजर हमेशा पराये धन पर होती है।

कहानी | सबसे बड़ी चीज

एक बार बीरबल दरबार में मौजूद नहीं थे। इसलिए कुछ मंत्रीगण बीरबल के खिलाफ महाराज अकबर के कान भरने लगे। उनमें से एक कहने लगा, महाराज! आप केवल बीरबल को ही हर जिम्मेदारी देते हैं और हर काम में उन्हीं की सलाह ली जाती है। इसका मतलब यह है कि आप हमें अयोग्य समझते हैं। मगर, ऐसा नहीं हैं, हम भी बीरबल जितने ही योग्य हैं। महाराज ने मंत्रीगणों को निराश न करने के लिए एक समाधान निकाला। उन्होंने उनसे कहा, मैं तुम सभी से एक प्रश्न का जवाब चाहता हूं। मगर, ध्यान रहे कि अगर तुम लोग इसका जवाब न दे पाए, तो तुम सबको फांसी की सजा सुनाई जाएगी। दरबारियों ने झिझक कर महाराज से कहा, ठ.. ठीक है महाराज! हमें आपकी ये शर्त मंजूर है, लेकिन पहले आप प्रश्न तो पूछिए। महाराज ने कहा, दुनिया की सबसे बड़ी चीज़ क्या है? यह सवाल सुनकर सभी मंत्रीगण एक दूसरे का मुंह ताकने लगे। महाराज ने उनकी ये स्थिति देख कर कहा, याद रहे कि इस प्रश्न का उत्तर सटीक होना चाहिए। मुझे कोई भी अटपटा सा जवाब नहीं चाहिए। इस पर मंत्रीगणों ने राजा से इस प्रश्न का उत्तर देने के लिए कुछ दिनों की मोहलत मांगी। राजा भी इस बात के लिए तैयार हो गए। महल से बाहर निकलकर सभी मंत्रीगण इस प्रश्न का उत्तर ढूंढने लगे। पहले ने कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी चीज़ भगवान है, तो दूसरा कहने लगा कि दुनिया की सबसे बड़ी चीज भूख है। तीसरे ने दोनों के जवाब को नकार दिया। धीरे-धीरे समय बीतता गया और मोहलत में लिए गए सभी दिन भी गुजर गए। फिर भी राजा द्वारा पूछे गए प्रश्न का जवाब न मिलने पर सभी मंत्रीगणों को अपनी जान की फिक्र सताने लगी। कोई अन्य उपाय न मिलने पर वो सभी बीरबल के पास पहुंचे और उन्हें अपनी पूरी कहानी सुनाई। बीरबल पहले से ही इस बात से परिचित थे। उन्होंने उनसे कहा, मैं तुम्हारी जान बचा सकता हूं, लेकिन तुम्हें वही करना होगा जैसा मैं कहूं। सभी बीरबल की बात पर राजी हो गए। अगले ही दिन बीरबल ने एक पालकी का इंतजाम करवाया। उन्होंने दो मंत्रीगणों को पालकी उठाने का काम दिया, तीसरे से अपना हुक्का पकड़वाया और चौथे से अपने जूते उठवाये व स्वयं पालकी में बैठ गए। फिर उन सभी को राजा के महल की ओर चलने का इशारा दिया। जब सभी बीरबल को लेकर दरबार में पहुंचे, तो महाराज इस मंजर को देख कर हैरान थे। इससे पहले कि वो बीरबल से कुछ पूछते, बीरबल खुद ही राजा से बोले, महाराज! दुनिया की सबसे बड़ी चीज 'गरज' होती है। अपनी गरज के कारण ही ये सब मेरी पालकी को उठा कर यहां तक ले आए हैं। यह सुन महाराज मुस्कुराये बिना न रह सके और सभी मंत्रीगण शरम के मारे सिर झुकाए खड़े रहे।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

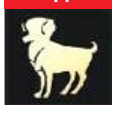

मन की चंचलता पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी। जीवनसाथी पर आपसी मेहरबानी रहेगी। जल्दबाजी में धनहानि हो सकती है।

वृषभ

स्थायी संपत्ति की खरीद-फरोख्त से बड़ा लाभ हो सकता है। प्रतिद्वंद्विता रहेगी। पार्टनरों का सहयोग समय पर मिलने से प्रसन्नता रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

मिथुन

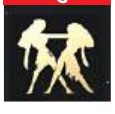

पार्टी व पिकनिक की योजना बनेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। शत्रु सक्रिय रहेंगे।

कर्क

घर-बाहर अशांति रहेगी। कार्य में रुकावट होगी। आय में कमी तथा नौकरी में कार्यभार रहेगा। बेवजह लोगों से कहासुनी हो सकती है। व्यवसाय से संतुष्टि नहीं रहेगी।

सिंह

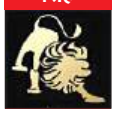

प्रयास सफल रहेंगे। किसी बड़े कार्य की समस्याएं दूर होंगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। कर्ज में कमी होगी। संतुष्टि रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कन्या

दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। व्यवसाय में जल्दबाजी से काम न करें। चोट व दुर्घटना से बचें।

तुला

उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। भाग्य का साथ मिलेगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। व्यवसाय ठीक चलेगा।

वृश्चिक

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था नहीं होने से परेशानी रहेगी। व्यवसाय में कमी होगी। नौकरी में नोकझोंक हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं।

धनु

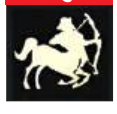

अज्ञात भय व चिंता रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। बगैर मांगे किसी को सलाह न दें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर

नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। प्रतिष्ठा वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। नौकरी में वर्चस्व स्थापित होगा।

कुम्भ

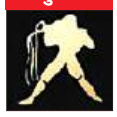

पूजा-पाठ व सत्संग में मन लगेगा। आत्मशांति रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

मीन

क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। पुराना रोग बाधा का कारण रहेगा। स्वास्थ्य पर खर्च होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें।

जल्द ही डान 3 की शुटिंग शुरू करेंगे कियारा व रणवीर सिंह

रणवीर सिंह ने आज अपने फैंस को खुश करने का कोई मौका नहीं छोड़ा है। पहले उनकी फिल्म धुरंधर के फर्स्ट लुक ने सोशल मीडिया पर बड़ा धमाका किया। अब उनकी एक और बड़ी फिल्म डॉन 3 से जुड़ी लेटेस्ट अपडेट सामने आई है। खबर है कि रणवीर, एक्ट्रेस कियारा आडवाणी के साथ जल्द अपनी फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे।

डॉन 3 जिसे फरहान अख्तर डायरेक्टर करने वाले हैं, खबर है कि अब बहुत जल्द इसकी शूटिंग शुरू होने वाली है। फिल्म पिछले काफी समय से अलग-अलग परेशानियों के कारण अटकी हुई थी। मगर अब मेकर्स इसपर जल्द से जल्द काम शुरू करने का प्लान कर रहे हैं। बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट के मुताबिक, डॉन 3 अगले साल की शुरुआत में शूट होनी शुरू होगी।

सूत्रों का कहना है, हां, शूट शुरू होने में देरी हुई है लेकिन इसमें कुछ किया नहीं जा सकता था। रणवीर सिंह जिन्होंने शाहरुख खान को इस फ्रेंचाइजी में रिप्लेस किया, उन्हें शाहरुख की जगह आने के लिए ऑनलाइन काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था। फरहान और रणवीर ने खुद ये फैसला किया कि वो इस मामले के थोड़ा ठंडा होने का इंतजार करेंगे। वहीं रणवीर को भी अपने रोल के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार होना था जिसके लिए उन्हें मार्शियल आर्ट्स की ट्रेनिंग लेनी थी। सूत्रों ने आगे बताया कि फिल्म के डायरेक्टर फरहान को शूट के लिए कई परेशानियों का सामना करना पड़ा। उनपर एक के बाद एक मुसीबतें आन पड़ी। इसके अलावा उस दौरान फरहान खुद अपनी फिल्म की शूटिंग में भी बिजी थे। मगर अब वो इसका शूट जनवरी 2026 में कियारा आडवाणी के साथ शुरू करने के लिए तैयार हैं।

बनारसी साड़ी में उर्फी जावेद का गार्जियस लुक देख हैरान हुए यूजर्स

उर्फी जावेद ने सोशल मीडिया हैंडल पर बनारसी साड़ी में अपना लेटेस्ट लुक शेयर कर सभी को हैरान कर दिया है। दरअसल, उर्फी हमेशा ही अतरंगी ड्रेस में नजर आती हैं, और उन्हें साड़ी में देखकर हर कोई दंग रह गया है। उर्फी के इस लुक को देखने के बाद कई सेलेब्स ने कमेंट के जरिए अपनी राय पेश की है, तो कई यूजर्स उनके इस देसी लुक को देखकर दंग रह गए हैं।

उर्फी जावेद ने इंस्टाग्राम पर अपना लेटेस्ट लुक शेयर किया है। इस नए लुक में उर्फी बनारसी साड़ी में बेहद खूबसूरत दिख रही हैं। इस लुक में उर्फी ने हरे रंग का ब्लाउज और लाल दबके वाली बनारसी साड़ी पहनी हुई है। साड़ी के साथ उर्फी ने सिंपल हेयर बन बनाया हुआ है। इसके साथ उन्होंने गले में सिंपल नेक पीस पहना हुआ है। इस लुक में उर्फी सिंपल और क्यूट लग रही हैं। उर्फी जावेद ने इंस्टाग्राम अपना देसी स्टाइल शेयर किया और इन शानदार तस्वीरों के साथ अपनी डिजाइनर का शुक्रिया अदा किया। उर्फी ने इन तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, अपनी इस अद्भुत साड़ी के लिए धन्यवाद। आपको विशेष धन्यवाद इसे इतनी खूबसूरती से सजाने के लिए।

उर्फी जावेद के इस लाजवाब लुक पर कई सेलेब्स ने मजेदार कमेंट किए। टीवी एक्ट्रेस जन्नत जुबैर ने उर्फी के इस लुक पर स्माइली इमोजी बनाई है। बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनल चौहान ने उर्फी के इस लुक पर लाल दिल वाली इमोजी बनाई है। वहीं पूजा अग्रवाल ने फायर इमोजी बनाए हैं। उर्फी के इस लुक पर एक यूजर ने लिखा, हे भगवान, एक और यूजर ने लिखा, बहुत सुन्दर लग रही हो, एक और यूजर ने लिखा, बहुत सुन्दर, एक और यूजर ने लिखा, मराठी टीचर उर्फी, एक और यूजर ने लिखा, लग रहा है मेरी आंखें खराब हो गई हैं, एक और यूजर ने लिखा, मराठी लुक सबसे अच्छा है।

अपने अतरंगी स्टाइल की वजह से उर्फी अक्सर ही चर्चा में रहती हैं। उर्फी जावेद कई दिनों से शो 'द ट्रेटर्स' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई है। इस शो में उन्होंने बेहतरीन गेम खेला और इस रियलिटी शो को जीत भी। हालांकि, उन्हें सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स ने ट्रोल भी किया। इसके अलावा उर्फी की लाइफ पर एक रियालिटी शो 'फॉलो कर लो यार' भी बना था।

बॉलीवुड | मन की बात

बालीवुड में नेपोटिज्म से भी बड़ी कई समस्याएं हैं: अली फजल

बॉलीवुड में नेपोटिज्म पर बहस लंबे समय से चली आ रही है। फिल्मी गलियारे में भाई-भतीजावाद का मुद्दा गर्माता रहा है। कई डायरेक्टर्स पर आरोप लगते रहते हैं कि नेपो किड्स को मेकर्स पहली प्राथमिकता देते हैं। वहीं अब इसी मुद्दे पर एक्टर अली फजल ने बॉलीवुड और हॉलीवुड में कास्टिंग सिस्टम के बीच अंतर के बारे में बात की है। अली फजल ने कहा, उन्हें बॉलीवुड में भाई-भतीजावाद से कोई परेशानी नहीं है, क्योंकि इंडस्ट्री में इससे भी बड़ी समस्याएं हैं। बॉलीवुड में रोल मिलना अक्सर कुछ खास सोशल या प्रोफेशनल सर्कल का हिस्सा होने पर डिपेंड करता है। वहीं हॉलीवुड में एक एजेंसी बेस्ड कास्टिंग सिस्टम है, जहां सभी एक्टर्स के लिए समान मौके हैं। अली फजल ने आगे कहा, हॉलीवुड में भी गलत बर्ताव होता है, लेकिन कम से कम वहां एक ट्रांसपेरेंट सिस्टेम है, जो ज्यादा मौके दिलाती है। बेशक, वहां भी गलत चीजें हो रही हैं। बहुत सारी चीजें, वहां पर भी कुछ और चीजें होती हैं। लेकिन एक बुनियादी व्यवस्था है। मुझे लगता है कि हम शायद उनसे फायदा उठा सकते हैं। जैसे-जैसे हम अपने कास्टिंग डायरेक्टर्स का ज्यादा से ज्यादा सपोर्ट करते रहेंगे, यह व्यवस्था धीरे-धीरे बदल जाएगी। एक्टर ने कहा, हमारे पास शानदार कास्टिंग लोग हैं-निकिता ग्रोवर, दिलीप शंकर, टेस जोसेफ, वैभव विशांत, एंटी-कास्टिंग टीम। ये लोग वाकई शानदार काम कर रहे हैं। मुझे लगता है कि यह व्यवस्था वास्तव में उनकी और बाकी एक्टिंग करने वाले लोगों की मदद करेगी। इसलिए भाई-भतीजावाद (नेपोटिज्म) वाली बात मुझे परेशान नहीं करती। मुझे लगता है कि इंडस्ट्री में इससे भी बड़ी समस्याएं हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो अली ने साल 2008 में इंडियन-अमेरिकन कॉमेडी ड्रामा द अदर एंड ऑफ द लाइन में एक छोटे रोल के साथ एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्हें आमिर खान की फिल्म थ्री इडियट्स में कैमियो करते देखा गया था। इसके बाद वो फिल्म फुकरे में दिखाई दिए। उन्होंने विक्टोरिया एंड अब्दुल और डेथ ऑन द नील जैसी हॉलीवुड फिल्मों में काम किया है। हालांकि उन्हें पहचान मिर्जापुर सीरीज से मिली। उनके गुड्डू पंडित के रोल को काफी पसंद किया गया। हाल ही में उन्होंने अपनी पत्नी ऋचा चड्ढा के साथ मिलकर खुदकी प्रोडक्शन कंपनी पुशिंग बटन स्टूडियो शुरू की है।

10 सालों से वीरान पड़ा है ये शहर, कभी करीब 12 हजार सैनिकों के परिवार रहते थे यहां

जर्मनी में एक ऐसा शहर जेक्यूएच राइनडालेन है, जो आज पूरी तरह से जंगल की चपेट में आ चुका है। यह कैसे बसा और कैसे वीरान में बदला इसकी रोचक कहानी है। एक यूट्यूबर ने यहां पहुंच कर इसके राज खोले हैं। राइनडालेन शहर कभी 12,000 ब्रिटिश सैनिकों और उनके परिवारों का घर था। इसे शीत युद्ध के दौरान 1952 में बनाया गया था। यह ब्रिटेन में नहीं, बल्कि जर्मनी में मौजूद है। 2013 में यहां सारी गतिविधियाँ बंद हो गई। अब यहाँ केवल जंगली जानवर जैसे हिरण और लाल गिलहरी दिखते हैं। यूट्यूबर कॉलिन हॉडसन, जिन्हें 'बियर्डेड एक्सप्लोरर' के नाम से जाना जाता है, ने इस शहर की पड़ताल की। कॉलिन इसे एक भूतिया शहर बताते हैं। उन्होंने कहा, यह जगह इतनी बड़ी है कि इसे अपना शहर कह सकते हैं। उन्होंने इसे एक वीडियो में रिकॉर्ड किया। यह शहर 376 हेक्टेयर में फैला है। गर्मियों में पेड़ों की घनी छाया में घर दिखाई नहीं देते। कॉलिन ने सर्दियों में दौरा किया, जब पेड़ों पर पत्तियाँ कम थीं। इससे उन्हें शहर का साफ़ नज़ारा मिला। यह शहर पहले बहुत जीवंत था। यहाँ एक ह्स्न्द्ध सुपरस्टोर, क्क्कपेट्रोल स्टेशन, दो डाकघर, एक कपड़ा दुकान और पाच प्राइमरी स्कूल थे। घर बड़े और चार बेडरूम वाले थे। कई घरों में गैरेज भी थे। कुछ गैरेज के सामने पेड़ उग चुके हैं। कॉलिन ने कहा, 卐कुछ गैरेज बहुत समय से नहीं खुले। कॉलिन ने बताया कि बाहर गर्मी थी, लेकिन घरों के अंदर ठंडक थी। शहर में कुछ तोड़फोड़ और ग्रैफिटी के निशान हैं, लेकिन यह काफी हद तक सुरक्षित है। आज के बाजार में इन इमारतों की कीमत लाखों में हो सकती है। लेकिन पूरे शहर की कीमत लगाना मुश्किल है। 2013 में ब्रिटिश सेना ने यह शहर जर्मन सरकार को सौंप दिया। तब से इसके भविष्य को लेकर कई योजनाएँ बनीं। 2015 में कुछ अरब निवेशकों ने इसे एक मनोरंजन पार्क में बदलने का प्रस्ताव दिया था। लेकिन वह योजना विफल हो गई। एक हिस्से को नॉर्थ राइन वेस्टफालिया पुलिस के लिए प्रशिक्षण स्थल बनाने की बात है। वहाँ बंधक बचाव जैसे अभ्यास हो सकते हैं। लेकिन अभी तक कुछ ठोस नहीं हुआ। फिलहाल तो इसका भविष्य अनिश्चित ही है।

अजब-गजब | अपनी खूबसूरती के लिए मशहूर हैं यहां की महिलाएं

जिंदगीभर नहीं नहाती हैं इस जनजाति की महिलाएं

दुनियाभर में ऐसी कई जनजातियां हैं, जिनकी परंपराएं, जीने का तरीका और लाइफस्टाइल हमें हैरान कर देती है। इनमें से कोई पेड़ों पर रहता है, तो कोई आज भी समाज से अलग-थलग अपनी दुनिया बसाए हुए है। इनमें से कुछ जनजातियां नरभक्षी हैं, तो किसी ट्राइब में दूसरों की बीवियों को लुभाकर शादी करने की परंपरा है। आज हम आपको नामीबिया की एक ऐसी ही जनजाति के बारे में बताने जा रहे हैं, जो उत्तरी नामीबिया के कुनेन प्रांत में निवास करती है। यह नामीबिया के सूखे इलाकों में शामिल है। ये जनजाति अपने अजीबोगरीब रिवाजों, खासकर अपनी औरतों के सुंदरता के तरीके और मेहमानों की खातिरदारी के चलते दुनियाभर में मशहूर हैं।

आपको बता दें कि हिम्बा ट्राइब्स की औरतों की सबसे खास बात ये है कि वे जिंदगी भर कभी नहाती नहीं हैं, इसके बावजूद ये बहुत सुंदर मानी जाती हैं। इस इलाके में पानी की कमी है, जिसकी वजह से हिम्बा महिलाएं पानी का इस्तेमाल नहीं करतीं। इसके बजाय, वे एक खास तरह के पौधे, जिसे ओमुजुम्बजुम्ब कहते हैं, उसकी पत्तियां और टहनियां जलते कोयलों पर रखती हैं। इससे जो खुशबूदार धुआं निकलता है, उसी से वे अपने शरीर और कपड़ों को साफ और कीटाणु रहित करती हैं। ये प्रक्रिया सिर्फ उन्हें साफ ही महसूस नहीं कराती, बल्कि उनके शरीर

से अच्छी खुशबू भी आती है। ये उनका अपना 'परफ्यूम' और 'साबुन' है, जो उन्हें कुदरत ने दिया है। इस अनोखे तरीके से वे अपनी त्वचा को सूखने से बचाती हैं और शरीर की बदबू भी दूर करती हैं।

हिम्बा औरतों की एक और पहचान है उनकी त्वचा और बालों पर लगा लाल लेप, जिसे 'ओत्जिजे' कहते हैं। ये लेप लाल गेरू पत्थर को पीसकर, उसमें जानवरों की चर्बी और कभी-कभी खुशबूदार गोंद मिलाकर तैयार किया जाता है। इस पेस्ट को वे अपने पूरे शरीर और बालों पर लगाती हैं। ये लाल लेप सिर्फ सुंदरता के लिए नहीं है, बल्कि इसके कई फायदे भी हैं। ये उन्हें सूरज की तेज और जलाने वाली किरणों से बचाता है, त्वचा को कीड़े-मकौड़ों के काटने से बचाता है और सूखी हवा से होने वाली नमी की कमी को भी पूरा करता है। ओत्जिजे उनकी त्वचा को एक चमकदार, लाल रंग देता है, जो हिम्बा संस्कृति में सुंदरता और रुतबे की निशानी है। महिलाएं अपने बालों को भी इसी लेप से ढककर छोटे-छोटे ड्रेडलॉक्स बनाती हैं, जो उनकी पहचान का एक बहुत बड़ा हिस्सा है।

हिम्बा जनजाति में मेहमानों का स्वागत करना बहुत ज़रूरी माना जाता है, लेकिन उनकी मेहमान नवाजी की एक प्रथा कुछ लोगों के लिए थोड़ी अजीब या अटपटी लग सकती है। कुछ खबरों के मुताबिक, हिम्बा संस्कृति में मेहमानों का बहुत ज्यादा सम्मान करने के लिए, घर का मुखिया अपनी पत्नी को मेहमान के साथ रात बिताने के लिए कह सकता है। इस प्रथा को 'ओकुज़ेपा ओमोकामे' कहते हैं, जिसका मतलब है मेहमान को बिस्तर देना। ये उनकी मेहमान नवाजी का सबसे बड़ा रूप माना जाता है, जो मेहमान पर भरोसा और दोस्ती दिखाता है। ये समझना ज़रूरी है कि इस प्रथा को उनकी संस्कृति के हिसाब से देखा जाता है, जहां समुदाय और चीज़ों को बांटना, अपनी चीज़ों पर अकेले हक जमाने से ज्यादा अहम होता है। हालांकि, आज के समय में इस प्रथा की सच्चाई कितनी आम है, इस बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता है। लेकिन ये उनकी संस्कृति की गहराई और अनोखेपन को दिखाता है, जहां सामाजिक रिश्ते और तरीके पश्चिमी दुनिया से अलग हो सकते हैं।

आप 2027 में पंजाब और गुजरात में बनाएगी सरकार

» केजरीवाल बोले- बीजेपी जितना जुल्म करेगी जनता उतनी ही मजबूती से आप का साथ देगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लुधियाना। विधानसभा उपचुनाव में बड़ी जीत के बाद आम आदमी पार्टी ने लुधियाना में धन्यवाद सभा का आयोजन किया और लोगों का आभार प्रकट किया। इस मौके पर पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने लोगों को संबोधित किया। उनके साथ पंजाब के पार्टी प्रभारी मनीष सिसोदिया, आप के प्रदेश अध्यक्ष अमन अरोड़ा, कार्यकारी अध्यक्ष अमनशेर सिंह (शैरी कलसी) सहित पार्टी के कई प्रमुख नेता मौजूद रहे।

केजरीवाल ने कहा कि गुजरात में आप की जीत से बीजेपी इतनी बौखला गई कि उन्होंने तुरंत हमारी पार्टी के एक विधायक को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने भाजपा को चुनौती देते हुए कहा कि भाजपा वाले हमें जितना डरा लें, हम डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी जितना जुल्म करेगी, जनता उतनी ही मजबूती से आम आदमी पार्टी के साथ खड़ी होगी। केजरीवाल ने कहा कि लुधियाना और गुजरात उपचुनाव 2027 के चुनावों का सेमीफाइनल है। उन्होंने दावा किया कि जिस तरह से इन दोनों उपचुनाव में पार्टी को समर्थन मिला है, उससे यह स्पष्ट हो गया है कि 2027 में पंजाब और गुजरात में आम आदमी पार्टी भारी बहुमत से सरकार बनाएगी। केजरीवाल ने कांग्रेस और भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि इनके पास अब कोई जनहित का मुद्दा ही नहीं बचा। उन्होंने कहा कि हम लुधियाना उपचुनाव में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पानी और नशा मुक्ति की बात कर रहे थे, ये लोग सिर्फ एक ही बात करते थे कि केजरीवाल को राज्यसभा जाने से रोकना है। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने सिर्फ जनता को गुमराह करने के लिए मेरे राज्यसभा जाने की अफवाह फैलाई थी। मैंने नतीजे आने के तुरंत बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस कर साफ कर दिया था कि मैं राज्यसभा नहीं जाऊंगा।

कहा- मैं राज्यसभा नहीं जाऊंगा

मजदूरों के वोट काटने की साजिश कर रहा चुनाव आयोग : देवेन्द्र यादव

नई दिल्ली। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने चुनाव आयोग और केंद्र सरकार पर भाजपा के इशारे पर दिल्ली में झुग्गी-झोपड़ी, रेहड़ी-पटरी, मजदूर और वंचित तबके के लोगों के वोट काटने की साजिश का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, कांग्रेस इस साजिश को सफल नहीं होने देगी। यादव ने कहा, स्पेशल इंटेन्सिव रिवीजन के नाम पर दिल्ली की मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर बदलाव की तैयारी की जा रही है, जिसका उद्देश्य गरीबों और प्रवासी मजदूरों को वोट देने के अधिकार से वंचित करना है। उन्होंने सवाल उठाया कि मतदाता सूची की कट-ऑफ तिथि मार्च 2008 किस आधार पर तय की गई है और क्या मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता इसके लिए जवाबदेह हैं? कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, अभी तक वोट बनाने के लिए किसी भी व्यक्ति के कम से कम छह महीने से उसी पते पर रहने का नियम है, लेकिन अब रेन बसेरों या खुले में रहने वाले गरीबों को इस प्रक्रिया से बाहर करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने यह भी पूछा कि जब आधार को वोटर कार्ड से लिंक करना अनिवार्य कर दिया गया है, तो फिर उसे पहचान प्रमाण क्यों नहीं माना जा रहा? सरकार की नई प्रणाली से न तो नागरिकता स्पष्ट हो रही है और न ही मतदाता पहचान की प्रक्रिया पारदर्शी रह गई है।

भारत में अल्पसंख्यकों की हालत बंधकों जैसी : ओवैसी

» किरन रिजिजू ने किया पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी और केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू के बीच अल्पसंख्यकों के अधिकारों को लेकर सोशल मीडिया पर जोरदार वार-पलटवार हुआ है। ओवैसी ने भाजपा नेता रीजीजू की उनके उस बयान के लिए आलोचना की है जिसमें उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां अल्पसंख्यकों को बहुसंख्यक समुदाय की तुलना में अधिक लाभ और सुरक्षा मिलती है। इसके जवाब में ओवैसी ने कहा कि अल्पसंख्यक के अधिकार मौलिक अधिकार हैं, कोई खैरात नहीं। ओवैसी ने कहा, ''आप भारतीय गणराज्य के मंत्री हैं, राजा नहीं। किरेन रिजिजू आप संवैधानिक पद पर हैं, सिंहासन पर नहीं।

ओवैसी ने आरोप लगाते हुए कहा, भारत के अल्पसंख्यक अब दूसरे दर्जे के नागरिक भी नहीं हैं। हम बंधक हैं। ओवैसी ने वक्फ अधिनियम को लेकर रीजीजू से पूछा कि क्या मुसलमान हिंदू बंदोबस्ती बोर्ड के सदस्य हो सकते हैं? फिर खुद ही कहा, नहीं। लेकिन आपका वक्फ संशोधन अधिनियम गैर-मुसलमानों को वक्फ बोर्ड में जबरन शामिल करता है और उन्हें बहुमत बनाने की अनुमति देता है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने मौलाना आज़ाद नेशनल फ़ेलोशिप को 'बंद' कर दिया, 10वीं पूर्व की छात्रवृत्ति का वित्तपोषण 'बंद' कर दिया और 10वीं बाद की छात्रवृत्ति तथा प्रतिभा सह आर्थिक आधार से जुड़ी छात्रवृत्ति को सीमित कर दिया। इस पर रीजीजू ने कहा, ''ठीक है हमारे पड़ोसी देशों के अल्पसंख्यक भारत आना क्यों पसंद करते हैं और हमारे अल्पसंख्यक पलायन क्यों नहीं करते हैं? मोदी जी की कल्याणकारी योजनाएं सभी के लिए हैं।

केंद्र झारखंड के विकास कार्यों में बाधा उत्पन्न कर रहा है : राधाकृष्ण

» वित्तमंत्री बोले- बुजुर्गों को नहीं मिल रही पेंशन, कई योजनाएं अधर में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड के वित्तमंत्री राधाकृष्ण किशोर ने केंद्र सरकार पर सीधा आरोप लगाते हुए कहा है कि राज्य की जनकल्याणकारी योजनाओं की राशि केंद्र ने रोक रखी है, जिससे विकास कार्यों में गंभीर बाधा उत्पन्न हो रही है। उन्होंने कहा कि वृद्धा पेंशन जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं का पैसा न मिलने से आम लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है, और इसके लिए केंद्र सरकार की नकारात्मक सोच जिम्मेदार है। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए केंद्र सरकार को आड़े हाथों लिया।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार राज्य का करोड़ों रुपये बकाया रखे हुए है, जिससे

योजनाओं के क्रियान्वयन में रुकावट आ रही है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि भाजपा झूठा प्रचार कर रही है कि राज्य सरकार पैसा नहीं दे रही, जबकि असलियत यह है कि राज्य के हिस्से की राशि रोककर केंद्र विकास की राह में रोड़ा अटका रहा है। वित्तमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि सरकार अब टालमटोल नहीं सहन करेगी।

सफाई निरीक्षक पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप

» सफाई कर्मचारी संघ अध्यक्ष ने की जांच की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ के जोन-1 में तैनात सफाई एवं खाद्य निरीक्षक संजीव कुमार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। उत्तर प्रदेशीय सफाई कर्मचारी संघ के अध्यक्ष राहुल कुमार वाल्मीकि ने नगर आयुक्त और मुख्यमंत्री को एक पत्र भेजकर इस पूरे प्रकरण की जांच कराने की मांग की है।

नगर निगम जोन-1 में तैनात हैं संजीव कुमार

पत्र में आरोप लगाया गया है कि संजीव कुमार बीते 6 से 7 वर्षों से जोन-1 (पूर्व) में पदस्थापित हैं और इस दौरान उन्होंने न केवल पद का दुरुपयोग किया बल्कि सफाईकर्मियों और सुपरवाइजरों का आर्थिक और मानसिक शोषण भी किया। आरोपों के अनुसार, वे कर्मचारियों से जबरन पैसे वसूलते हैं, सुपरवाइजरों को ब्लैकमेल करते हैं और अगर कोई सफाईकर्मी किसी दिन ड्यूटी से अनुपस्थित होता है, तो उसे नागा मान्यता के एवज में पैसा देना पड़ता है। इतना ही नहीं, पत्रावलियों में स्थलीय निरीक्षण की रिपोर्ट लगाने के लिए कथित रूप से सुविधा शुल्क की मांग की जाती है। बिना रिश्वत के फाइलें आगे नहीं बढ़ाई जातीं। संघ का आरोप है कि कई आश्रितों के मामलों में फर्जी सत्यापन रिपोर्ट तैयार कर नगर स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय भेजी गई है, जिससे पात्र लोगों को उनके अधिकारों से वंचित होना पड़ा है।

नगर आयुक्त व सीएम को भेजा पत्र

राहुल कुमार वाल्मीकि ने पत्र में यह भी लिखा है कि संजीव कुमार की लंबे समय से एक ही स्थान पर तैनाती खुद में संदेहास्पद है और यह नियमों के विरुद्ध भी है। उन्होंने मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। नगर निगम प्रशासन की ओर से अब तक इस संबंध में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, लेकिन सफाईकर्मियों में इस पूरे मामले को लेकर गहरी नाराजगी देखी जा रही है।

भारतीय अंडर-19 टीम ने जीती वनडे सीरीज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वॉरसेस्टर। बेन मायेस और बेन डॉवकिंस के अर्धशतकों की मदद से इंग्लैंड की अंडर-19 टीम ने पांचवें वनडे मुकाबले में भारतीय अंडर-19 टीम को सात विकेट से हराया। भारत ने हालांकि, 3-2 से यह सीरीज अपने नाम की। आरएस अंबरिश के अर्धशतक की मदद से भारतीय अंडर-19 टीम ने इंग्लैंड अंडर-19 टीम के सामने 211 रनों का लक्ष्य रखा था। जवाब में इंग्लैंड की अंडर-19 टीम ने 31.1 ओवर में तीन विकेट पर 211 रन बनाकर मैच जीता। इंग्लैंड के लिए मायेस ने 76 गेंदों पर 11 चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 82 रन बनाए। भारत की ओर से नमन पुष्पक ने दो विकेट और दीपेश देवेंद्रन ने एक विकेट लिया।

इंग्लैंड से पांचवां वनडे हारने के बावजूद 3-2 से किया कब्जा

भारत ने पांचवें वनडे मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया और अंबरिश के 81 गेंदों पर छह चौकों की मदद से नाबाद 66 रनों की पारी के दम पर 50 ओवर में नौ विकेट पर 210 रन बनाने में सफल रहा। लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और दीपेश ने जोसेफ मूरेस को आउट किया जो पांच रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद डॉवकिंस और मायेस ने दूसरे विकेट के लिए 107 रन जोड़े। डॉवकिंस 53 गेंदों पर नौ चौकों और तीन छक्कों की मदद से 66 रन बनाकर आउट हुए। इससे पहले, भारत की शुरुआत इस मैच में अच्छी नहीं रही और उसने कप्तान आयुष म्हात्रे और विहान मल्होत्रा के विकेट जल्द गंवा दिए। म्हात्रे और विहान ने एक-एक रन बनाए। शुरुआती झटके लगने के बाद पिछले मैच के शतकवीर सूर्यवंशी और राहुल कुमार ने टीम की पारी को संभाला।

जून के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए तीन क्रिकेटर नामित

दुबई। आईसीसी ने जून महीने के लिए सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए तीन खिलाड़ियों को नामांकित किया है। लिस्ट में दक्षिण अफ्रीका के दो और श्रीलंका का एक खिलाड़ी है। दक्षिण अफ्रीका ने पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया को हराकर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के खिताब पर कब्जा जमाया था। दक्षिण अफ्रीका की इस खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाने वाले एडेन मार्करम और कगिसो रबाडा को आईसीसी ने नामांकित किया है, जबकि श्रीलंका के पाथुम निसांका को भी सूची में शामिल किया गया है। विजेता का एलान कुछ दिन बाद होगा। मार्करम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं, रबाडा की घातक गेंदबाजी से फाइनल में पहली पारी में पांच और दूसरी पारी में चार विकेट चटकाए थे।

बिहार को बर्बाद कर रहे पीएम और सीएम : तेजस्वी

राजद नेता ने एआई तस्वीर बनाकर कसा तंज, बोले पूर्व उपमुख्यमंत्री- अपनी कुर्सी बचाने के लिए दोनों नेता परेशान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एक बार फिर से पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम नीतीश कुमार पर हमला बोला है। अपने पिता लालू प्रसाद की तरह ही उन्होंने भी एआई इमेज का इस्तेमाल कर पीएम मोदी और सीएम नीतीश पर निशाना साधा। तेजस्वी ने इन दोनों नेताओं की तस्वीर शेयर की और लिखा कि प्रधानमंत्री जी और मुख्यमंत्री जी दोनों अपनी कुर्सी बचाने के लिए बिहार को बर्बाद कर रहे हैं। तेजस्वी यादव ने सीएम नीतीश कुमार के हाथ में एक पंपलेट दिखाया। इसमें लिखा है कि लूट, हत्या, चोरी, डकैती और भष्टचार।

तेजस्वी यादव का कहना है कि नीतीश सरकार के राज में कानून व्यवस्था का हाल बेहाल है। इनके राज में खुलेआम बलात्कार, हत्या और डकैती हो रही है। भ्रष्टाचार चरम पर है। इतना ही नहीं तेजस्वी यादव ने पीएम मोदी के हाथ में एक पंपलेट दिखाया। इसमें लिखा है कि केंद्र की सत्ता बचा रहे हैं, बिहार को सता रहे हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि केंद्र की सत्ता बचाने के लिए पीएम मोदी बिहार की जनता को सता रहे हैं। दो जुलाई राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद ने एक बार फिर से पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम नीतीश कुमार पर हमला बोला था। उन्होंने इस बार कृत्रिम मेधा (एआई) का इस्तेमाल किया और पीएम मोदी और सीएम नीतीश कुमार की तस्वीर बना दी।

लालू ने मोदी और नीतीश की डिलीवरी बॉय वाली तस्वीर जारी की थी

उन्होंने पीएम मोदी और सीएम नीतीश कुमार की डिलीवरी बॉय वाली तस्वीर के साथ लिखा कि बिहार की गलियों में दो डिलीवरी बॉय देखे गए हैं। इनमें से एक के बैग में अच्छे दिन और दूसरे के बैग में विशेष राज्य का दर्जा है। उन्होंने तंज कसते हुए लिखा कि 10 साल से डिलीवरी पेंडिंग है। लेकिन, अब ऑर्डर कंफर्म होने की बात कह रहे हैं। लालू प्रसाद ने आगे कहा कि चुनाव के वक्त बिहार की गलियों में झूठे वादों की फ्री डिलीवरी करने वाले गुमलेबाज अब खूब घूमेंगे। वहीं राजद ने तंज कसते हुए लिखा कि एनडीए सरकार में सड़क के बीचोंबीच पेड़ है। सड़क पर नदी बह रही है। जंक्शन के बाहर सब डूबा है। डबल इंजन सरकार का विकास अजूबा है।

रोहिंग्या नहीं, गरीबों को वोटर लिस्ट से हटाने की साजिश : सुरेन्द्र प्रसाद यादव

महागठबंधन ने बिहार में चल रहे वोटर लिस्ट सत्यापन को एक साजिश करार देते हुए चुनाव आयोग और भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए हैं। राजद सांसद डॉ. सुरेन्द्र प्रसाद यादव ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग अब भाजपा निर्वाचन आयोग बन चुका है और वह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इशारे पर काम कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में वोटर लिस्ट सत्यापन के नाम पर गरीब रोहिंग्या मुस्लिम लोगों का नाम जान-बूझकर हटाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आधार कार्ड और वोटर कार्ड की अहमियत खत्म कर दी गई है, ताकि चुनिंदा लोगों को बाहर किया जा सके।

फैसले लेने में सक्षम नहीं हैं मुख्यमंत्री

डॉ. यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब फैसले लेने में सक्षम नहीं हैं। उनकी उम्र अधिक हो गई है और बीजेपी उनके इसी हालात का फायदा उठा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पटना सचिवालय में 5 अधिकारी बैठाकर यह योजना बनाई जा रही है कि बिहार पर बीजेपी का कब्जा कैसे कराया जाए।

9 जुलाई को चक्का जाम का ऐलान

महागठबंधन ने 9 जुलाई को पूरे बिहार में सड़क और रेल चक्का जाम करने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहेगा और किसी भी एम्बुलेंस या इमरजेंसी सेवा को नहीं रोका जाएगा। इसके लिए व्यापार मंडल, निजी स्कूलों और सामाजिक संगठनों से समर्थन की अपील की जाएगी।

महाराष्ट्र के बाद बिहार निशाने पर

कांग्रेस नेता एवं पूर्व मंत्री अवधेश कुमार सिंह और गया शहर के पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी ओंकारनाथ श्रीवास्तव (मोहन श्रीवास्तव) ने कहा कि महाराष्ट्र में 30 लाख नए वोटर जोड़कर सरकार बनाई गई, वहीं बिहार में वोट घटाकर आरएसएस और भाजपा सत्ता पर कब्जा करना चाहते हैं। यह लोकतंत्र के खिलाफ बहुत बड़ी साजिश है। नेताओं ने कहा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा भेजे गए पत्र का अब तक चुनाव आयोग ने कोई जवाब नहीं दिया है। इससे साफ है कि आयोग विपक्ष की आवाज को दबाने का काम कर रहा है।

नीतीश को हटाने के लिए चिराग को उतारा

महागठबंधन नेताओं ने कहा कि वोटर लिस्ट सत्यापन केवल एक बहाना है। असली मंशा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को सत्ता से हटाने की है। इसके लिए भाजपा चिराग पासवान को बिहार विधानसभा चुनाव में आगे कर रही है। इस मौके पर गयाजी नगर निगम के मेयर वीरेंद्र कुमार उर्फ गणेश पासवान, गुरुआ विधायक विनय कुमार, कांग्रेस नेता रजनीश कुमार समेत कई महागठबंधन नेता मौजूद थे।

गोपाल खेमका हत्याकांड का दूसरा आरोपी मुठभेड़ में ढेर

» जवाबी फायरिंग में पुलिस ने मार गिराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना । बिहार के बड़े उद्योगपति गोपाल खेमका की हत्या के दूसरे आरोपी को पुलिस ने एनकाउंटर में मार गिराया है। पुलिस उससे पूछताछ करने गई थी लेकिन वह पुलिसकर्मियों पर ही गोलीबारी करने लगा। जवाबी फायरिंग के दौरान पुलिस की गोली उसे लगी। जिससे उसकी मौत हो गई है। घटना के बाद पटना में हड़कंप मच गया। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

बताया जा रहा है कि घटना के वक्त उमेश के साथ विकास भी मौजूद था। सूत्रों की मानें तो पटना पुलिस ने प्रयुक्त दो पहिया वाहन, हथियार और सुपारी के रूप में दिए गये लगभग तीन लाख रुपये भी बरामद किए हैं।सोमवार देर शाम को पटना पुलिस ने छापेमारी कर गोपाल खेमका हत्याकांड के शूटर उमेश कुमार उर्फ विजय सहनी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। उमेश कुमार उर्फ विजय सहनी पटना सिटी के माल सलामी का रहने वाला है। इस पर गोपाल खेमका की हत्या का आरोप है। इससे ही पूछताछ के आधार पर पटना पुलिस को बड़ी लीड मिली। इसके बाद विकास के ठिकाने पटना पुलिस की टीम छापेमारी करने के लिए पहुंची। पुलिस उसे हिरासत में लेकर पूछताछ करना चाहती थी। लेकिन, पुलिस टीम को देखते ही विकास ने गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की। पटना पुलिस के अनुसार, सोमवार की मध्य रात्रि की ढाई बजे विशेष टीम दमड़िया घाट पहुंची थी। पुलिस को देखते ही वह गोलीबारी कर भागने लगा। इसके बाद पुलिस ने भी गोली चलाई। इसमें उसकी मौत हो गई। हालांकि इस घटना में कोई भी पुलिसकर्मी घायल नहीं हुए। पुलिस का कहना है कि 29 साल के विकास उर्फ राजा कई अन्य आपराधिक मामले दर्ज है। पुलिस को काफी दिनों से इसकी तलाश थी। घटनास्थल से एक पिस्टल औ कारतूस कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस को शक है कि विकास ने ही गोपाल खेमका की हत्या के लिए हथियार मुहैया कराया था।

विपक्ष ने भी नीतीश कुमार की सरकार को कोसा

विपक्ष ने भी नीतीश कुमार की सरकार को मन भर कोसा और जमकर जमला किया था। इस घटना से बिहार सरकार की भी काफी किरकिरी हो रही थी। इधर, शूटर विजय से पूछताछ के बाद पता चला कि हत्या की सुपारी देने वाला व्यक्ति नालंदा का रहने वाला अशोक साव है जो अभी पुलिस की चंगुल से फरार है। पुलिस टीम उसे गिरफ्तार करने के लिए उसके कई ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। फिलहाल पुलिस उमेश कुमार उर्फ विजय सहनी से पूछताछ कर रही है। बता दें कि चार जुलाई की देर रात जब उद्योगपति बांकीपुर क्लब से अपनी कार से घर लौट रहे थे, तभी गांधी मैदान इलाके के रामगुलाम चौक स्थित उनके घर के सामने ही अपराधी ने उनकी गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस घटना के बाद पटना पुलिस की काफी किरकिरी हुई थी।

देश में बारिश का कहर जारी, मप्र में पुल टूटने से कार बही, चार की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देशभर में दक्षिण-पश्चिम मानसून जमकर बरस रहा है। मानसून सीजन में अब तक सामान्य से 15प्रतिशत ज्यादा बारिश हो चुकी है। इस समय तक 221.6मिमी बारिश होनी थी, लेकिन 254मिमी हो चुकी है। मध्य प्रदेश में लगातार हो रही बारिश से बालाघाट, मंडला, सिवनी, इटारसी और कटनी समेत कई जिलों में बाढ़ के हालात बन गए हैं।

अनूपपुर में पुल टूटने से कार बह गई। इसमें पति-पत्नी और 2 बच्चों की मौत हो गई। हिमाचल प्रदेश में बीते 6 दिन में तेज बारिश के चलते 14 लोगों की मौत हुई है, जबकि 28 लापता हैं। हालांकि, अब मौसम सामान्य हो गया है। वहीं, उत्तराखंड के पीपलकोटी में बद्रीनाथ हाईवे पर लैंडस्लाइड से रास्ता बंद हो गया है। देहरादून में घरों में पानी घुस गया है। छत्तीसगढ़ में पिछले 3 दिनों से जोरदार बारिश हो रही है। बिलासपुर में कई इलाके डूबे हैं। इधर, राजस्थान के 20 से ज्यादा जिलों बारिश जारी है। दौसा में दीवार ढहने से महिला की मौत हो गई।

बिहार को देश की क्राइम कैपिटल बना दिया : खरगे

» कानून- व्यवस्था को लेकर जदयू-भाजपा पर कांग्रेस अध्यक्ष का वार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने मंगलवार को बिहार की डबल इंजन सरकार पर राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति को नष्ट करने का आरोप लगाया और दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनावों में बदलाव निश्चित है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि जेडी(यू)-बीजेपी गठबंधन ने बिहार को देश की अपराध राजधानी बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। खड़गे ने एक्स पर लिखा कि बिहार में अवसरवादी डबल इंजन सरकार ने क़ानून व्यवस्था तबाह कर दी है। पिछले 6 माह में 8 बिजनेसमैन की हत्या, 5 बार पुलिस की पिटाई हुई है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने आगे कहा कि कल ही अंधविश्वास के चलते एक ही परिवार के पाँच लोगों को मारा गया। मासूम बच्चों तक को नहीं बख़्शा! जदयू और भाजपा ठगबंधन ने बिहार को देश की क्राइम कैपिटल बनाने में कोई कमी नहीं छोड़ी है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के खुद के आँकड़े बताते हैं कि बिहार में ग़रीबी चरम पर है, सामाजिक और आर्थिक न्याय की स्थिति बद से बदतर हो चुकी है और ठप्प क़ानून व्यवस्था के चलते, निवेश केवल काग़ज़ों तक सीमित रह गया है।

जहां दलितों पर अत्याचार होता वहां कांग्रेस खड़ी होगी : पटवारी

» मप्र में कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी पर दर्ज हुई एफआईआर को लेकर मंगलवार 8 जुलाई को कांग्रेस का अशोकनगर में जेल भरो आंदोलन शुरू। आंदोलन के एक दिन पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा है कि मामले में कार्रवाई नहीं हुई मुझ पर एफआईआर दर्ज की गई है। कांग्रेस नेताओं को ठहरने के लिए होटल नहीं मिलने के सवाल पर उन्होंने कहा कि हम जाएंगे भले ही हमको वहां सड़कों पर रुकना पड़े।

पटवारी ने कहा कि अशोकनगर की सड़कों पर कांग्रेस रुकेगी। एसटी-एससी और ओबीसी पर अत्याचार होगा वहां कांग्रेस होगी, जहां प्रशासनिक अराजकता होगा, वहां वहां कांग्रेस भी पहुंचेगी। जहां सरकार का ध्यान आकर्षित करना होगा, कांग्रेस अपना धर्म निभाएगी। अशोकनगर में पीड़ित को न्याय दिलाने की बजाय मेरे खिलाफ एफआईआर कर दी।

एफआईआर एक नहीं, 100 कर दें, इससे पहले भी कई की हैं। मामले में पुलिस अपना धर्म नहीं निभा रही है, पुलिस की इस हरकत के खिलाफ हम अशोकनगर जा रहे हैं। सड़क पर, कार्यकर्ताओं के घर पर रुकेंगे, जहां वो रोकेंगे हम रहेंगे। ये गिरफ्तारी नहीं, संदेश है, एक कदम पीछे नहीं हटेंगे। जब जब आप अत्याचार करोगे, हम लोकतांत्रिक लड़ाई लड़ेंगे।

न्याय के लिए सत्याग्रह : सिंघार

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि अशोकनगर में कांग्रेस के सभी वरिष्ठ नेता, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता स्वेच्छा से गिरफ्तारी देंगे। कांग्रेस पार्टी अपने हर कार्यकर्ता से लेकर प्रदेश अध्यक्ष तक के लिए कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। उन्होंने कहा कि हम जनहित के मुद्दों से पीछे हटने वाले नहीं हैं। यह न्याय के लिए सत्याग्रह है।

प्रदर्शन रोकने की साजिश

अशोकनगर में 8 जुलाई को कांग्रेस के प्रदर्शन को देखते हुए कानून व्यवस्था के लिए पुलिस बल को कार्यकर्ता की भीड़ को रोकने की व्यवस्था करने के आदेश जारी किया गया है। जिला प्रशासन के आदेश पर कांग्रेस ने सवाल उठाये हैं। कांग्रेस ने कहा कि आदेश विपक्ष को कुचलने वाला है। प्रदेश मीडिया प्रभारी मुकेश नायक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने कहा कि अशोकनगर जिला प्रशासन कांग्रेस कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए दमनात्मक तरीके अपना रहा है।

मप्र में ब्रिटिश शासनकाल जैसी नीति

मुकेश नायक ने कहा कि यह वही नीति है, जैसी ब्रिटिश शासनकाल में थी। जैसे झांसी की रानी के शासनकाल में अंग्रेजों ने डॉक्ट्रिन ऑफ लैप्स लागू कर झांसी पर कब्जा किया था। यह अधिनियम आपदा के समय लागू होता है, आंदोलन कुचलने के लिए नहीं। नायक ने विधायक निर्मला सप्रे की वायरल ऑडियो पर कहा ऑडियो की भाषा इतनी आपत्तिजनक है कि उसे सार्वजनिक रूप से दोहराया नहीं जा सकता। उन्होंने मांग की कि विधायक के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया जाए।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।